प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ...सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जब हम एक ही जोक पर दोबारा नही हंसते, तो एक ही समस्या पर बार-बार क्यों रोते हैं।

गौर गोपाल दास

वर्ष-05, अंक - 52 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 28 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

टिकट बांटने वाले खुद के लिए वोट मांगते नजर आएंगे...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। भारतीय जनता पार्टी अपने अप्रत्याशित फेसलों से हमेशा ही आम जनता के साथ राजनीतिक पंडितों को भी अचंभित करती रही है। ताजा फैसले में भाजपा ने आगमी विधानसभा चुनाव के लिए तीन केंद्रीय मंत्री सहित पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तथा चार अन्य सांसदों को भी टिकट देकर राजनीतिक विरोधियों पर मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने का प्रयास किया है। यही नहीं इन वरिष्ठ नेताओं को टिकट देने के बाद सत्ता विरोधी लहर को भी कम करने का प्रयास किया है। अब भाजपा इन प्रयासों में कितना सफल हो पाती है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन भाजपा के इस फैसले से इतना तो तय है कि, जो कभी दूसरों को टिकट बांटते थे वे अब खुद के लिए वोट मांगते नजर आएंगे।

राजनीतिक मायने

भाजपा के इस फैसले का राजनीतिक पंडित अलग व्याख्या कर रहे हैं। कोई इसे मास्टर स्ट्रोक बता रहा है, तो कोई इसे हार का डर बता रहा है। लेकिन इतना तो तय है कि, भाजपा आगामी चुनाव मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर नहीं लड़ रही है। पार्टी ने एक से अधिक उम्मीद्वार जो समय आने पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार हो सकते हैं को पार्टी ने विधानसभा चुनाव में टिकट देकर उनकी जवाबदारी तय कर दी है। अब उनके जिम्मे न केवल खुद की सीट जीतना बल्कि आसपास की सीटों के उम्मीद्वार को जिताने की भी जिम्मेदारी है और अच्छा परिणाम दिलाने वाले को उचित सम्मान का आश्वासन भी दिया गया है। वहीं कुछ लोग भाजपा के इस कदम को सेल्फ गोल (आत्मघाती कदम) मान रहे हैं। यानी अगर यह बड़े चेहरे चुनाव जीतते हैं तो लोग कहेंगे कि, इतने बड़े नेता के लिए एक छोटा चुनाव जितना कोई मायना नहीं रखता है। वही दुसरी और हारने पर करियर खत्म होने का भी डर है। तथा कुछ लोग इसे सत्ता विरोधी लहर को कम करने के प्रयास में भी देख रहे हैं। वहीं विपक्षी दल कांग्रेस का कहना है कि, भाजपा हार के डर से शिवराज सिंह चौहान के कार्यों को लेकर जनता के बीच नहीं जा रहे हैं। वहीं उन्होंने शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री पद के उम्मीद्वार घोषित न करने पर भी कटाक्ष करते हुए पार्टी की हताशा को बताया है।

कांग्रेस में दुविधा बड़ी

वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की बात करें तो वो अभी अपनी जनआक्रोश यात्रा में व्यस्त है। पार्टी ने अभी तक एक भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, लेकिन कमलनाथ यह जरूर कह रहे हैं की पार्टी ने लड़ने वाले उम्मीद्वारों को इशारा कर दिया है। लेकिन कहीं ना कहीं कांग्रेस पार्टी अभी भी बीजेपी से असंतुष्ट लोगों का इंतजार करती नजर आ रही है। कांग्रेस को लगता है कि, टिकट वितरण के बाद भाजपा में असंतोष के स्वर फूटेंगे और कई नेता पार्टी छोड़ेंगे, उन पर कांग्रेस की नजर है। लेकिन भाजपा ने दूसरी सूची में वरिष्ठ नेताओं को टिकट देकर असंतोष को थामने की कोशिश की है, लेकिन कितना असंतोष थमा है यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। फिलहाल कांग्रेस के लिए सभी विकल्प खुले हैं और वो वेट एंड वॉच यानी आचार संहिता लगने या चुनाव की तारीखे घोषित होने का इंतजार कर रही है।

थांदला से कलसिंह भाभर चौथी बार

भाजपा की दूसरी सूची में थांदला से पूर्व में दो बार विधायक रहे कलसिंह भाभर पर भाजपा ने अपना विश्वास जताया है। हालांकि कलसिंह भाभर अपना पिछला चुनाव पार्टी अधिकृत प्रत्याशी रहते हुए भी लगभग 32 हजार वोटो से हार गए थे। लेकिन पार्टी ने एक बार फिर मौका देकर उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का अवसर दिया है। यहां भाजपा की ओर से लगभग आधा दर्जन चेहरे दावेदारी जता रहे थे। हालांकि खवासा क्षेत्र के रमेश बारिया को छोड़कर किसी भी अन्य दावेदार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर नहीं की है। खवासा क्षेत्र के रमेश बारिया ने जरूर पार्टी के निर्णय को स्वीकार कर लिया है और पार्टी के निर्णयानुसार अधिकृत प्रत्याशी कलसिंह भाभर को बधाई देते हुए उन्हें भारी मतो से विजय बनाने की अपील की है। बारिया ने कहा है कि, टिकट मांगना प्रत्येक कार्यकर्ता का हक है, वही टिकट देना पार्टी का अधिकार है। एक कार्यकर्ता होने के नाते मेने पार्टी से टिकट की मांग की थी लेकिन पार्टी को लगा की मुझसे बेहतर उम्मीद्वार कलसिंह भाभर है तो उन्हें टिकट मिला है, मैं पार्टी के इस निर्णय का सम्मान करता हूं।

कलसिंह वर्सेस वीरसिंह या...

भाजपा द्वारा टिकट घोषित होने के बाद कलसिंह का मुकाबला कांग्रेस के वीरसिंह भूरिया से होना लगभग तय है। अगर ऐसा होता है तो कलसिंह और वीरसिंह का यह तीसरा मुकाबला होगा, अभी तक हुए दोनों ही मुकाबले में वीरसिंह भूरिया विजय रहे हैं। हालांकि कलसिंह भाभर भी दो बार विधायक रह चुके हैं। 2003 में उन्होंने तात्कालिक विधायक रहे रतनसिंह भाभर को हराया था। 2008 में कलसिंह भाभर को कांग्रेस के वीरसिंह भूरिया ने हरा दिया था। वहीं 2013 में कांग्रेस ने वीरसिंह भूरिया की जगह गेंदालाल डामर को तो भाजपा ने कलसिंह भाभर की जगह गौरसिंह वसुनिया को टिकट दिया था। लेकिन कलसिंह भाभर के निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ा और अप्रत्याशित जीत हासिल कर जिले की राजनिती में एक नया इतिहास रचा था। लेकिन 2018 में कांग्रेस ने पुनः वीरसिंह भूरिया को टिकट दिया और भाजपा ने कलसिंह भाभर को और वीरसिंह भूरिया ने एक बड़ी जीत दर्ज कर विधायक बने। अब देखना है कि, कलसिंह वर्सेस वीरसिंह चुनाव होता है तो परिणाम 3-0 रहता है या 2-1 रहता हैं।

6 राज्य में 53 खालिस्तानी ठिकानों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को खालिस्तानी आतंकी अर्श दल्ला और कई खूंखार गैंगस्टरों से जुड़े आतंकवादियों-गैंगस्टरों-ड्रग तस्करों के नेक्सस पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके तहत कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। हाल के समय में कई खालिस्तानियों के खिलाफ ऐक्शन तेज किया गया है। जांच एजेंसी ने बुधवार को छह राज्यों के 53 ठिकानों पर छापेमारी की। इसकी शुरुआत आज सुबह से हुई और दिनभर कार्रवाई चली।

पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मारे गए छापों के दौरान पिस्तौल, गोला-बारूद, बड़ी संख्या में डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। अर्श दल्ला के अलावा, इन छापों में एनआईए ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, सुक्खा दुनेके, हैरी मौर, नरेंद्र उर्फ लाली, काला जठेरी, दीपक टीनू आदि पर भी शिकंजा कसा। पिछले साल अगस्त के बाद से एनआईए ने पांच मामले दर्ज किए हैं, जिसमें अब तक कई बार इस तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

ये मामले गैंगस्टरों द्वारा हत्याओं की साजिश रचने, खालिस्तान समर्थक संगठनों की फंडिंग, जबरन वसूली आदि से संबंधित हैं, जिनमें से कई आरोपी विभिन्न जेलों में बंद हैं जैसे कि पाकिस्तान, कनाडा, मलेशिया, पुर्तगाल और विभिन्न विदेशी देशों से काम कर रहे हैं। एनआईए ने बताया है कि आतंक-गैंगस्टर-ड्रग तस्कर गठजोड़ को खत्म करने के उद्देश्य से आज हुई छापेमारी का फोकस विभिन्न कट्टर गिरोहों और उनके गुर्गों से जुड़े हथियार सप्लायर्स, फाइनेंसरों आदि पर था। ये गिरोह पाकिस्तान, यूएई, कनाडा, पुर्तगाल आदि देशों में स्थित ड्रग तस्करों और आतंकवादियों के साथ काम कर रहे हैं।

एनआईए को जांच से पता चला है कि साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों में रची जा रही थीं और विदेश स्थित गुर्गों के एक संगठित नेटवर्क द्वारा इन्हें अंजाम दिया जा रहा था। पिछले साल पंजाब में महाराष्ट्र के बिल्डर संजय बियानी, खनन व्यापारी मेहल सिंह और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी संदीप नांगल अंबिया की सनसनीखेज हत्या इसी के तहत करवाई गई थी। एनआईए की जांच के अनुसार, कई अपराधी और गैंगस्टर जो पहले भारत में गिरोहों का नेतृत्व कर रहे थे, हाल के वर्षों में विदेश भाग गए हैं और अब वहां से अपनी आतंक और हिंसा संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। ये अपराधी भारत भर की जेलों में बंद अपराधियों के साथ मिलकर बदला लेने के लिए हत्याओं सहित गंभीर अपराधों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में लगे हुए हैं। ये टारगेटेड मर्डर कर रहे हैं और ड्रग्स और हथियारों की तस्करी, हवाला और जबरन वसूली के माध्यम से हमलों और अन्य नापाक गतिविधियों के लिए धन जुटा रहे हैं।

हेवानियत का मंजर : रेप के बाद खून से लथपथ अर्द्धनग्न घंटों भटकती रही मासुम, देखते रहे लोग

कमलनाथ ने शिवराज सरकार की कानून व्यवस्था पर साधा निशाना

माही की गूंज उज्जैन, डेस्क न्यूज।

महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 वर्ष की एक मासुम बच्ची के साथ हैवानियत की हदें पार कर झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। खून से लथपथ रेप की शिकार हुई मासुम अर्द्धनग्न ही उज्जैन की गलियों में घंटों भटकती रही और लोगों से मदद मांगती रही, लेकिन कोई आगे मदद के लिए नहीं आया। एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह किसी तरह अपने तन को ढंकने की कोशिश करते हुए लोगों से मदद की गुहार लगाती दिख रही है। बाद में उसे महाकाल थाना क्षेत्र के बड़नगर रोड पर मुरलीपुरा की पुलिस अस्पताल ले गई। पुलिस ने अब पूरी घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है।

बच्ची को जब अस्पताल ले जाया गया तो उसके साथ दुष्कर्म की घटना की पुष्टि हुई। मासुम के प्राइवेट पार्ट्स में गंभीर चोटों के निशान हैं बताया जा रहा है। बालिका ढाई घंटे तक अर्द्ध अवस्था में एक कॉलोनी से दूसरे कॉलोनी तक भटकती रही। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि, कुछ लोग उसे भटकते हुए पागल की स्थिती में देखते रहें लेकिन मदद के लिए कोई आगे नही आए। अधिक खून बह जाने की वजह से उसकी स्थिति नाजुक हो गई थी। मासुम को इंदौर रेफर किया गया, जहां उसे खून चढ़ाया गया है।

यूपी के इलाहाबाद की है मासूम

बालिका की भाषा की वजह से पुलिस को जांच में बड़ी समस्या आ रही है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने उत्तर प्रदेश की महिला एक्सपर्ट से बालिका की बातों को समझा और पता चला कि, वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के आसपास की हो सकती है। मासुम बच्ची जो भाषा बोल रही थी वह वहां के एक समुदाय के द्वारा बोली जाती है। मध्य प्रदेश पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस से भी संपर्क कर बालिका के परिवार का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस और साइबर टीम कर रही जांच

साइबर टीम के साथ पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लोगों से पूछताछ कर जांच आगे बढ़ा रही है। पुलिस को इंदौर-नागदा बाईपास पर हार्ट स्पेशल कॉलोनी के पास फुटेज में कुछ सुराग हाथ लगे हैं। महाकाल थाना पुलिस के साथ नीलगंगा पुलिस भी जांच में लगी हुई है। साइबर एक्सपर्ट की भी मदद ली जा रही है। पुलिस इस एरिया के आसपास भी सीसीटीवी फुटेज खगाल रही है।

शंका के आधार पर एक व्यक्ति हिरासत में

पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में एक ऑटो ड्राइवर हार्ट स्पेशल रोड पर दिखाई दिया है, जिसमें वह पीड़िता के साथ दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से ऑटो ड्राइवर को शंका के आधार पर हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को बच्ची से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की संभावना जाता रही है। मासुम ने पुलिस को बताया कि, वह दरिंदगी का शिकार होने के बाद जान बचाकर भाग निकली।

अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

उज्जैन पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने मिडीया को बताया कि, अज्ञात आरोपियो के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। घटनास्थल का अभी पता नहीं चल पाया है पुलिस इस मामले में भी जांच कर रही है। इसमें भौतिक साक्ष्य तकनीकी साक्ष्य और जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

क्या वह लाडली लक्ष्मी नहीं है...? कमलनाथ

उज्जैन जिले में मासुम के साथ दरिंदगी के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर निशाने पर लेते हुए सरकार से पीड़ित बच्ची को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा, उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ अत्यंत क्रूरतापूर्ण दुराचार का मामला देखकर रूह कांप जाती है। 12 साल की बेटी के साथ जो कुछ व्यवहार हुआ, उससे मानवता शर्मसार हो गई है। ऐसी जघन्य घटना प्रशासन और समाज के माथे पर कलंक है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि, क्या सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनी बेटियों की तस्वीरों से पूरे प्रदेश के होर्डिंग भर देगी, लेकिन मासूम बेटियों की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं देगी। जिस बेटी के साथ दरिंदगी हुई क्या वह लाडली लक्ष्मी और लाडली बहना नहीं है...?

चीन पर कैसे लगेगी लगाम...? सेना प्रमुखों के बीच भारत ने खोली ड्रैगन की पोल

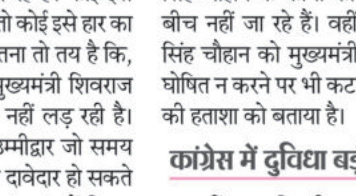

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित दो दिन के 13वें इंडो-पसिफिक आर्मी चीफ्स कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने 36 देशों के आर्मी चीफ या डिप्टी आर्मी चीफ पहुंचे हैं। इसमें अमेरिका और कनाडा के सेना प्रमुख भी शामिल हैं। पहले दिन की बैठक के दौरान चर्चा के केंद्र में चीन का विस्तारवादी रवैया ही रहा। हालांकि इसपर कोई डायरेक्ट बात नहीं हुई। यह कॉन्फ्रेंस आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए आयोजित होता है और सेना की दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारत और अमेरिका के सेना प्रमुखों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति बनाए रखने और सभी देशों की संप्रभुता का ध्यान रखने की बात कही।

भारत और अमेरिकी के सैन्य विभाग द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के पहले दिन औपचारिक रूप से तो चीन पर कोई बात नहीं हुई लेकिन बहुत सारी अनौपचारिक चर्चाएं भी हुईं। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय ने कहा, हम किसी भी विवाद का शांतिपूर्ण हल चाहते हैं। इसके लिए सभी देशों को आपस में बात करना चाहिए। युद्ध से किसी मुद्दे का समाधान नहीं हो सकता है।

इस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के आरामी चीफ रैंडी जॉर्ज ने कहा कि, अब युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। इस सम्मेलन में शामिल सभी देशों को आपस में सहयोग बढ़ाना होगा और शांति के लिए प्रतिबद्ध रहना होगा। एक दूसरे पर विश्वास बढ़ाने की जरूरत है और इससे संबंध अपने आप सुधर जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कॉन्फ्रेंस में कहा कि नेबरहुड फर्स्ट हमारी संस्कृति रही है। सेना प्रमुख जनरल पांडेय ने कहा कि, समंदर में चुनौतियां बढ़ी हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर अनिश्चितताएं हैं। उन्होंने कहा कि कई ताकतें यहां अपने आपको विस्तृत करने की कोशिश में हैं और इसके लिए वे हर उपाय कर रहे हैं। बता दें कि जनरल पांडेय ने बिना नाम लिए चीन की ओर इशारा किया। चीन इस समय साउथ चाइना सी में अतिक्रमण की हर कोशिश कर रहा है।

तहसील कार्यालय का हुआ भव्य शुभारंभ

मीडिया के माध्यम से शोषित वर्ग के लिए काम करते रहे-अनिल कुमार राठौर (आईएएस)

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को माही की गूंज न्यूज़ के डिजिटल प्लेटफार्म की खबरों के लिए पेटलावद में तहसील कार्यालय का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम में चार कन्याओ के साथ प्रधान संपादक संजय भटेवरा द्वारा पूजा अर्चना की गई। उसके पश्चात कार्यालय का फीता पेटलावद विकास खण्ड के अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार राठौर (आईएएस) द्वारा काटा गया। इस दौरान गूंज के प्रधान संपादक संजय भटेवरा, पेटलावद तहसील ब्यूरो राकेश गेहलोत व गूंज टीम के साथियों सहित पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। एसडीएम अनिल कुमार राठौर ने कार्यालय के शुभारंभ पर गूंज टीम को शुभकामनाएं देते हुए, मीडिया को हमेशा शोषित वर्ग के हितो के लिए कार्य करने की बात कही। प्रधान संपादक संजय भटेवरा ने अखबार के 05 वर्ष पूर्ण होने पर पांच वर्ष में पाठकों से मिले प्रेम और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और इस तरह आम जन के लिए कार्य करते रहने की बात की।

2018 की आचार सहिंता से 2023 विधानसभा चुनाव का सफर

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश में लगी आचार सहिंता के बीच सासाहिक अखबार के रूप में माही की गूंज शुरू हुआ। जिसके बाद से गूंज का सिलसिला बिना रुके गूंजायमान चलता रहा। कोरोना जैसी भयंकर त्रासदी में भी गूंज के कदम नही डगमगाये और सोशल मीडिया पोर्टल की शुरुआत कर न केवल क्षेत्र की बल्कि देश-प्रदेश की हर बड़ी खबर पर अपनी पेनी नजर बनाई रखी। समय की मांग अनुसार डिजिटल प्लेटफार्म की शुरुआत के साथ सफलता के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव आने को हैं और गूंज अपने सफर के गौरवशाली सफलता के 5 वर्ष पूर्ण कर पाठको के विश्वास पर खरा उतरा है।

पटवारी हड़ताल अनवरत 31 वें दिन भी जारी, 2800 पे ग्रेड की मांग पूरी होने पर ही होगी खत्म

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रातीय आह्वान पर विगत 31 दिनों से चल रही पटवारी की अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल आज भी जारी रहेगी आज झाबुआ मे कुलदीप सिंगाड,सुशील नलवाया, अर्जुन बारिया, बापूसिंह सिंगाड, क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे है।

उल्लेखनीय है कि उल्लेखनीय है कि जिले के पटवारी विगत 31 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। मंगलवार को मध्य प्रदेश शासन द्वारा भारत सरकार के एग्रीस्टेक जीआईएस रियल क्राप सर्वे योजना के तहत पटवारीयो को तीन से चार हजार रूपये प्रति माह देने का कैबिनेट में निर्णय पारित किया गया है जिसका मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने विरोध किया है।

मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश मुलेवा जिला संघर्ष समिति अध्यक्ष मलजी डामोर ने बताया कि भारत सरकार की एग्रीस्टेक जिसे रियल सर्व योजना के तहत प्रथम चरण में कुछ जिलो मे पायटल प्रोजेक्ट के तहत जिले की दो तहसील के 02 ग्राम चयनित किए जाएंगे मोबाइल ऐप के माध्यम से सर्वे किया जाना है इससे कृषि उत्पादकों के वितरण कृषि ऋण आदि योजनाएं शामिल है जिसे कृषि विभाग को करना चाहिए लेकिन मध्य प्रदेश शासन यह काम पटवारी के माध्यम से करना चाहती है जो पटवारीयो को स्वीकार नहीं है।

पटवारीयो ने बताया कि शासन को जिस विभाग का काम है यह कार्य संबधित विभाग से ही करवाना चाहिए एवं पटवारी को अन्य विभाग के कार्या में नहीं लगाना चाहिए जिससे कि उनके विभागीय मूल काम प्रभावित नही हो उन्होंने बताया कि हमारी विगत 25 वर्षो से एक ही मांग 2800 पे ग्रेड को लेकर हड़ताल चल रही जिसमें हमारे मुख्य मांग 2800 पे ग्रेड के साथ सापेक्ष वेतनमान, आवास भत्ता, प्रमुख रूप से शामिल है। लेकिन शासन द्वारा उनकी इन न्योचित मांगों पर कोई विचार नहीं करते हुए अन्य योजना का बोझ पटवारियो पर डालने का कार्य किया जा रहा है इसे मध्य प्रदेश के पटवारी स्वीकार नहीं करेंगे पटवारीयो ने बताया कि उनकी अनिश्चितकालीन का कलमबंद हड़ताल और क्रमिक भुख हडताल उनकी प्रमुख मांग 2800 पे ग्रेड एवं अन्य भत्तो की स्वीकृति के उपरांत ही खतम होगी अन्यथा की स्थिति मे मांगे पूरी होने तक हडताल अनवरत जारी रहेगी

अपनी मांगों की लगातार अनदेखी करने से प्रदेश के पटवारीयो के मन में अब आक्रोश पनपने लगा है एवं अब उग्र आंदोलन करने के रणनीति बनाने जा रहे हैं पटवारीयो ने बताया कि यदि शासन उनकी मांगे स्वीकार नहीं करती है एवं आचार संहिता लग जाती है तो इस स्थिति में पटवारी अपनी हड़ताल सशर्त स्थगित करके केवल और केवल निर्वाचन संबंधी कार्य करने के लिए उपस्थित रहेंगे एवं आचार संहिता समाप्त होने के उपरांत पुनः हड़ताल पर चले जाएंगे।

इस अवसर पर विनोद मंडलोई, कमल जामोद, जयदेव सोलंकी, निलेश अखाडे, निलेश पाटीदार, सुरेन्द्र चैहान, छतरसिंह देवलिया, महेश खतेडिया, चन्द्रशेखर पचाहा, सालम जमरा, खेमचंद मेडा, सुशील नलवाया, प्रदीप पचाया, लोकेन्द्र रावत, राजू सिगाड, रमीजुददीन शेख, सुनिल कटारा, अभय व्यास, अजय डावर, विजय वसुनिया, वागुसिंह भूरिया, राहुल सोलकी, संदीप डावर, जितेन्द्र अमलियार, फतेसिंह सिंगाड, लालसिंह गणावा, संदीप डावर, निलेश पालिया, नरेन्द्र सावरिया, संदीप अजनार, विवेक रोज, कमलसिंह बारिया, ऋषि जायसवाल, हेमेन्द्र सिंह कटारा महिला पटवारी गीता मंडोड, रेखा बिलवाल, मुक्ता डामोर, लक्ष्मी गणावा, मुक्ता डामोर, हेमलता बामनिया, पूजा निगवाल, पूजा मेडा, अंजलि कटारा, सविता डामोर,नेहा राठौर, शिवकन्या मोर्य, रूचिका चैहान, अंजलि खतेडिया, सहित बडी संख्या मे झाबुआ, रामा, रानापुर के पटवारी उपस्थित रहे।

गणेश महोत्सव को लेकर जगह-जगह हो रहे धार्मिक आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

गणेश उत्सव में जगह-जगह हो रहे है कई आयोजन, जिसमें सार्वजनिक गणेश मंडल राजवाड़ा में 89 वॉ गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। जिसमें मंगलवार को उमेश महेश पांडे द्वारा संचालित श्री सुंदरकांड मंडल द्वारा रात्रि 8 बजे संगीतमय भजनों द्वारा श्री बजरंग बाण पाठ का हुआ। जिसमें गोपालसिंह चौहान, भेरूसिंह सोलंकी, प्रफुल्ल पंड्या, रविराज राठौर, उमेश पांडे, ऋतुराजसिंह राठौर, जैमिनी शुक्ला, अंतिम भाई, सतोगीया व हर्ष सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में खोले गए जप्तशुदा राजसात वाहनों के आवेदन

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत् मदिरा के अवैध परिवहन में जप्तशुदा राजसात वाहनों के निर्वहन हेतु कलेक्टर जिला झाबुआ द्वारा गठित समिति के समक्ष सीलबन्द आवेदन कलेक्टोरेट सभाकक्ष जिला झाबुआ में खोली गई। जिसमें राजसात 18 वाहनों में से सभी 18 वाहनों पर ऑफसेट मूल्य 2 लाख 76 हजार रूपये के विरूद्ध उच्चतम ऑफर राशि 13 लाख 18 हजार 976 रूपये के प्राप्त हुए। जो कि, ऑफसेट प्राईज से 377.88 प्रतिशत अधिक है। टेण्डर फार्म के विक्रय से 35 हजार रूपये प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल राशि 13 लाख 53 हजार 976 रूपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ।

सुरक्षा सैनिक भर्ती कैंप आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत तथा जिला प्रशासन एवं म. प्र. डे राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड नीमच के द्वारा ग्रामीण व शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा सैनिक के पद पर भर्ती कैंप बुधवार को थाना मेघनगर में आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से 25 लडको ने भाग लिया एवं नीमच से आये भर्ती अधिकारी संतोष कुमार ने माप दंड के आधार पर 11 लड़को का चयन किया।

अगला कैंप 28 सितम्बर को थाना थांदला में, 29 सितम्बर को थाना राणापुर, 30 सितम्बर को थाना रायपुरिया, 2 अक्टूबर को थाना पेटलावद, 3 अक्टूबर को थाना काकनवानी, 4 अक्टूबर को थाना कल्याणपुरा, 5 अक्टूबर को थाना कालीदेवी एवं 6 अक्टूबर को कोतवाली झाबुआ में 9 दिवस भर्ती विवरण का आयोजन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक किया जायेगा।

आयोजन में चयनित युवाओं को नीमच में 1 माह के प्रशिक्षण उपरांत 65 वर्ष तक की स्थाई नोकरी दी जाएगी। औद्योगिक क्षेत्रों में जैसे दिल्ली का लाल किला, ग्वालियर का किला, झांसी का किला, खजुराहो का मंदिर, सांची स्तूप, आगरा का ताजमहल, गवालियार का किला, एसबीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक आदि। 12000 से 15000 की सैलरी पर रखा जाएगा। सुविधाः पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल, वेतन वृद्धि ,प्रमोशन, इंश्योरेंस एवं दो बच्चों की पढ़ाई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईपीएस स्कूल देहरादून में करवा सकते हैं।

लार्वा विनिष्टिकरण एवं फॉगिंग किया

माही की गूंज, झाबुआ। वर्षा ऋतु उपरांत वाहक रोग मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुन्या इत्यादि के संभावित प्रसार को देखते हुए इनके बचाव एवं नियंत्रण हेतु झाबुआ शहर के डेंगू प्रभावित रोगी के वार्ड क्र. 2 कैलाश मार्ग में सर्वलेंस वर्कर राजेन्द्र हुरमाले, शहरी आशा श्रीमती चित्रा वर्मा, एएनएम श्रीमती भावना डाबर एवं मलेरिया फील्ड स्टॉफ द्वारा वार्ड के प्रत्येक घर के रहवासियों से सम्पर्क कर लार्वा सर्वे एवं फॉगिंग (धुंआ) किया गया। सर्वे के दौरान प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। वार्ड एवं वार्ड के आसपास के क्षैत्रों के घरों में पानी से भरे कन्टेनर, पानी की टंकी, घरों में रखे पानी के बर्तनों, कूलर, सीमेंट की हौदी, घर की छतों पर जमा बेकार टायर, फूलदान, सीमेट एंव टंकी तथा अन्य पानी के कन्टेनर जिसमें एक सप्ताह से अधिक पानी जमा है को खाली करवाया गया। लार्वा पाये जाने पर तत्काल कन्टेनरों में बीटीआई कीटनाशक का घोल डाला गया।

सर्वे के दौरान वार्डवासियों से अपील की गई है कि, आपके घर में आये सर्वे दल को पूर्ण सहयोग देकर लार्वा सर्वे अभियान को सफल बनाने की दिशा में अपना योगदान दे। वार्ड के रहवासियों को अपने घरों में मच्छर जाली लगाए, आम-जन को पूरी बांह के कपड़े तथा कीटनाशक उपचारित मच्छरदानी रात को एवं दिन में सोते समय उपयोग करे, नीम का धुंआ अवश्य करे। घरों में पानी के कंटेनरों की साप्ताहिकी रूप से नियमित साफ-सफाई करे। अपने घरों के आस-पास पानी को जमा न होने दे। घरों के छतों पर बेकार टायर, फूलदान, गमलों पर अनावश्यक पानी को जमा न होने दे एवं जमा हुए पानी को निकाल दे। घर के किसी भी सदस्य को बुखार आने पर खून की जाँच स्वास्थ्य कार्यकर्ता या नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर करवाने इत्यादि की सलाह दी गई ।

अपनी बहन के साथ स्कूल गई मासूम को सांप ने डसा, मौत

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के ग्राम काचरिया में दिल दहला देने वाली घटना हुई, जब एक 11 वर्ष की बालिका को सांप ने डस लिया। बालिका को जब परिजन उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। ग्राम काचरिया निवासी सुहानी पिता अशोक पाटीदार अपनी बहन जो कि सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षिका के पद पर पदस्थ है के साथ स्कूल गई हुई थी। जब वह स्कूल में बैठी थी तभी कहीं से सांप निकलकर आया और उसे डस लिया। इसके पहले कि कोई कुछ समझ पाता बच्ची की हालत खराब होने लगी। आनन-फानन में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दरार में छुपकर बैठा था सांप

अपने गांव में कक्षा 6 की छात्रा सुहानी पाटीदार अपनी बहन के साथ स्कूल गई हुई थी। जहां वह कहीं पर बैठी हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक बालिका जहां बैठी थी वहां एक दरार थी जहां सांप छुपकर बैठा था। जिसने सुहानी को डस लिया जिसके जहर का असर इतनी तेजी से हुआ कि कोई कुछ समझ पाता बालिका के शरीर में जहर फैल गया और उसकी मौत हो गई।

जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. सचिन नायक ने बताया, बच्ची को जिला अस्पताल लाया गया था जो मृत अवस्था में थी। आगामी कार्यवाही के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा एवं सम्मान पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण मध्य प्रदेश के मार्गदर्शन में सफाई मित्रो को कार्य के दौरान सुरक्षा और सम्मान के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को आजीविका भवन झाबुआ में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में झाबुआ जिले की सभी विकासखण्ड से 80 से अधिक ग्रामीण सफाई मित्रो ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण यूनिसेफ द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्यक भगत सिंह चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों के व्यावसायिक खतरों, कार्यस्थल पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों और सफाई कर्मचारियों के सामाजिक-आर्थिक मानकों में सुधार के संभावित तरीकों पर बेहतर समझ प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार की सुविधाए भी प्रदान की गई।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण-2 के सफल क्रियान्वयन में सफाई मित्र की अहम भूमिका हैं। ग्रामों को ओडीएफ प्लणस बनाने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक स्वसच्छ ता परिसर, मल कीचड प्रबंधन, शौचालय रेट्रोफिटिंग, खुले में शौच मुक्तश स्थाायित्वह आदि में सफाई मित्र का अहम योगदान हैं। मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्रामों ने ओडीएफ़ निरतंतरता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर व्यवस्थाओं को विकसित कर ग्राम सभाओं में ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों के तौर पर घोषित कर वातावरण उपलब्ध किया है। ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों के निरंतरता बनाए रखने में सफाई मित्रो का योगदान महत्वपूर्ण है, सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं पीपीई किट के संबंध में जानकारी की कमी या अज्ञानता के कारण स्वच्छता मित्र के निजी स्वास्थ्य को भी हानि होती है, इस हेतु प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा उपकरणों के सही प्रकार से प्रयोग करने की भी जानकारी दी गई।

रिसोर्स पर्सन ने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), ड़ोनिंग (पहनने) और डॉफिंग (उतारने) प्रोटोकॉल के उचित प्रोटोकॉल का प्रदर्शन, सफाई मित्रो के लिए लागू विभिन्न योजनाओं की जानकारी, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (एफएसएसएम), सफाई मित्र की वर्तमान स्थितियों पर चर्चा कर कार्य योजना भी तैयार की गई।

इसके साथ ही इस प्रशिक्षण में आए समस्त सफाई मित्र को शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, डे-एनयूएलएम योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं राशन कार्ड हेतु जानकारी दी गई। सफाई मित्रो और उनके परिवार के लिए टीकाकरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे मे भी जानकारी सफाई मित्रो को प्रशिक्षण के माध्यम से दी गयी तथा स्वच्छता कार्यकर्ता हैंडबुक भी प्रदान की गई।

भागवत कथा से भक्तों में सद्गुणों का विकास होता है वह काम, क्रोध, लोभ, भय से मुक्त हो जाता है- पं. अनुपानंद

हर रोज भागवत कथा सुनने उमड़ रही भक्तों की भीड़, कथा के चौथे दिन भी खचाखच भरा रहा पंडाल

माही की गूंज, झाबुआ।

श्री पद्मवंशीय मेवाड़ा राठौर तेली समाज द्वारा स्थानीय श्री विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन व्यास पीठ पर विराजमान श्रीमद् भागवत कथा के सरस प्रवक्ता कानपुर उत्तरप्रदेश से पधारे पं. अनुपानंदजी महाराज भगवान के विभिन्न अवतारों की कथा सुनाई।

उन्होने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा से भक्तों में सदुणों का विकास होता है वह काम, क्रोध, लोभ, भय से मुक्त हो जाता है। पं. अनुपानंदजी ने कहा कि समुद्र मंथन से एक बार में केवल 14 रत्न मिले थे, पर आत्म मंथन से मनुष्य को परमात्मा की प्राप्ति होती है, जो हरिका दास है वह सुख-दुख से परे होकर हमेशा परमानंद की स्थिति में रहता है। उन्होंने कहा कि भागवत का सार है ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः। जब अमृत मंथन की प्राप्ति के लिए देवों एवं असुरों ने समुद्र मंथन शुरू किया तब भगवान ने कच्छप का अवतार लिया एवं अपने ऊपर मथनी रखा, जिससे समुद्र का मंथन हुआ। उन्होने आगे कहा कि श्रीगणेश के नाम के बिना कोई सफल नहीं होता है। समुद्र मंथन के समय भी पहले गणेश की प्रार्थना की गई, तब मंथन शुरू हुआ। समुद्र मंथन में 14 रत्न की प्राप्ति हुई थी। सबसे पहले हलाहल विष निकला, जिससे सभी देव एवं असुर डर गए, तब उन्होंने भगवान शंकर को पुकारा। भगवान शंकर ने उक्त विष को ग्रहण किया एवं विष को गले में संग्रहित रखा तभी से भगवान शंकर नीलकंठ कहलाए। समुद्र मंथन से लक्ष्मी, ऐरावत हाथी, कोस्तु मणी, परिजात, धन्वंतरि, चंद्रमा, कामधेनु, धनुष आदि रत्न का प्रदुर्भाव हुआ। सबसे अंत में अमृत का प्रदुर्भाव हुआ। कथा के दौरान मनमोहक भजनों की प्रस्तुति भी दी, तब श्रोता भावविभोर होकर झुमने लगे।

लाभार्थी परिवार का किया स्वागत

श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन के लाभार्थी परिवार का कथा के अंत में स्वागत किया गया। लाभार्थी श्रीमती कौशल्याबाई कन्हैयालालजी आसरमा को गमछा एवं भेरूलाल को साफा एवं जितेंद्र कन्हैयालालजी का समाज के सह सचिव कुलदीप नारायणजी पंडीयार द्वारा गले में गमछा एवं श्रीफल भेटकर तथा समाज के वरिष्ठ सदस्य बाबुलाल लुणाजी गोलानिया द्वारा प्रतिक चिन्ह देकर लाभार्थी परिवार का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात लाभार्थी आसरमा परिवार द्वारा भागवतजी की आरती कर प्रसादी का वितरण किया।

नकली घी को लेकर खाद्य विभाग में की गई शिकायत

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने सेम्पल लेकर जांच के लिए भेजे

माही की गूंज, थांदला।

डेरी पर नकली घी बेचे जाने की व्यापक शिकायत मिलने पर खाद्य विभाग अधिकारी अलावा पहुंचे और सेम्पल लेकर जांच के लिए भेज दिया।

शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि, मेरे द्वारा गुरु कृपा डेरी से घी 14 सितंबर को लिया गया था जो की खराब था। मैंने वापस आकर उन्हें बताया तो उनके द्वारा मुझसे अभद्र भाषा में बात की गई और मुझे कहा गया कि, आज के बाद हमारी दुकान की पेड़ी पर मत चढ़ना और अशब्द बोलने लगे। मैं वहीं से हमेशा घी-दूध से लेती आई हुं बस मेरी इतनी सी गलती हो गई कि, मैं खाद्य विभाग के अधिकारी को 14 सितम्बर के दिन सूचना नही कर पाई, मैंने तीन से चार दिन बाद सूचना की। जिससे उन्होंने वहा रखा खराब घी वहा से हटा दिया गया या ग्रामीण लोगो को बेच दिया और वहां पर दूसरा घी रखा दिया और जब खाद अधिकारी गुरु कृपा डेरी पर घी का सैंपल लेने पहुचे तो उनके द्वारा कहा गया कि, जो उस टाइम मैडम घी लेकर आए थे वो हमारे द्वारा फेंक दिया गया है वह भी हमारे यहां का नहीं था और पिंकी मेड़ा ने बताया कि, घी यही से लिया था गुरु कृपा डेरी पर सिर्फ पॉलिथीन में बांधकर घी दे दिया जाता है।

इसके बारे में हमने खाद्य विभाग अधिकारी अलावा से बात की तो उनके द्वारा बताया गया कि, डेरी पर खुला घी-दूध बेच सकते है पर यदि आप को किसी भी चीज में मिलावट जैसा लगता हे तो आप तुरंत खाद्य विभाग ऑफिस फोन करके उसकी सूचना दें, तो हमारे द्वारा तुरंत आकर उस पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग अधिकारी द्वारा गुरु कृपा डेरी से घी का सैंपल लेकर जांच के लिए पहुंचा दिया गया है। अलावा ने बताया, जांच आने के बाद ही हमारे द्वारा इसकी पुष्टि की जाएगी की घी असली हे या नकली।

पूर्व में भी हुई थी शिकायत

खाद्य विभाग अधिकारी से इस संदर्भ में बात की तो बताया गया कि, हॉं पूर्व में भी गुरु कृपा डेरी पर एक शिकायत के दौरान केस दर्ज किया गया था जो अभी खत्म हो चुका है। उसके बाद हमने पूछा उसमें क्या हुआ था तब राहुल अलावा ने बताया कि, अभी मुझे जानकारी नहीं है मैं ऑफिस जाकर देखकर बताता हूँ।

आस्था पर विश्वास भारी, मां के भक्तों ने पैदल पहुंचकर किए दर्शन, शिखर पर चढ़ाई ध्वजा

माही की गूंज, सारंगी।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम सारंगी से बड़ा अंबाजी तक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा संचालक मोहनलाल अग्रवाल ने बताया कि, 12 दिन में यात्रा को बड़े ही हर्ष के साथ अंतिम पड़ाव पर पहुंच कर मां के दर्शन कर लिए। इस बार हमें बहुत बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ा क्योंकि हम घर से निकले तभी से बरसात शुरू हो गई बरसात इस बार इतनी अधिक हुई कि, हमें रास्ते में बहुत परेशानी हुई, क्योंकि बरसात की वजह से हमारे सभी यात्रियों के पांव में फोड़े, फुंसी हुए इस वजह से चलने में परेशानी आई। हम जब झालोद आए वहां पर ऐसी स्थिति बनी कि, हमें अब यात्रा रोकना पड़ेगी एवं माताजी का रथ यही रखकर माताजी को एवं सभी यात्री को बस द्वारा दर्शन लाभ लेना पड़ेगा परंतु हमारे कार्यकर्ता की हिम्मत और हौसला इतना रखा की उन्होंने साफ कह दिया हम तो किसी भी परिस्थिति में पैदल ही यात्रा करेंगे। माताजी ने आप लोगों को जोश दिया आपके हौसलों को बढ़ाया। बरसात, ठंड एवं अंतिम में गर्मी बहुत ज्यादा रही। फिर भी आप लोगों ने हौसला नहीं तोड़ा एवं माताजी ने आपके वचन को निभाया और यात्रा पूर्ण कार्रवाई। इसी प्रकार हम सभी यह प्रण करें आने वाले समय में भी माता रानी इसी प्रकार हमारे हौसले को बड़ाये एवं इस बार हम जितने यात्री आए उससे डबल यात्री आये। इस यात्रा में हमारे साथी सुरेश भाई, संतोष भाई का बड़ा सहयोग रहा एवं इन्होने तन-मन-धन से सहयोग किया एवं हमारे तीसरे साथी राजेश बाबूलाल पाटीदार उनका भी बड़ा योगदान रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के 54 वर्ष पूर्ण होने पर चलाया स्वच्छता अभियान

माही की गूंज, थांदला।

राष्ट्रीय सेवा योजना के गौरवशाली 54 वर्ष पूर्ण होने पर शासकीय महाविद्यालय थांदला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय के रासेयों, स्वयं सेवकों तथा सभी छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग समूह बनाकर गांधी वाटिका, बोटनीकल गार्डन, विद्यार्थी वाटिका, अमृत वाटिका में साफ-सफाई की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जीसी मेहता, डॉ पीटर डोडियार, प्रो. एसएस मुवेल, डॉ मीना मावी, प्रो. मनोहर सोलंकी, प्रो. विजय मावी तथा समस्त अतिथि विद्वान एवं कार्यलयीन कर्मचारियों के साथं छात्र-छात्राओं ने सहभागीता की। कार्यक्रम का आयोजन रासयों प्रभारी डॉ. छगन वसुनिया ने किया।

गणेश विसर्जन के लिए नगर परिषद द्वारा की गई व्यवस्था

माही की गूंज, थांदला।

गणेश जी का 10 दिवसीय जन्मोत्सव संपूर्ण क्षेत्र में बड़े ही धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इस आयोजन के अंतिम दिवस (अनंत चतुर्दषी) मनाई जाना है जिसमे भगवान श्री गणेष जी की प्रतिमा का विसर्जन किया जाना है। जिस हेतु प्रतिवर्श नगर परिशद् की ओर से विसर्जन हेतु सभी आवष्यक व्यवस्थाएं की जाती है इसी अनुरूप् इस वर्श भी नोगावा नदी पर पोखर (विसर्जन कुंड) निर्मित किया गया है एवं बप्पा श्री गणेष जी की पूजन आरती के लिए श्रद्धालुओं हेतु टेंट व्यवस्था, बिजली की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी षीतल कुमार जैन एवं स्वच्छता निरीक्षक गौरंकसिंह राठौर द्वारा समस्त नगरवासियों से आग्रह किया है कि, इस अनंत चतुर्दषी के अवसर पर विसर्जन वाले सिान पर निकाय कर्मचारी आपके सहयोग हेतु नियुक्त किए गए है जो आपसे पूजन के प्ष्चात मूर्ति विसर्जन का कार्य करेंगे। विसर्जन पोखर में ही किया जावे आप सभी नगरवासियों से सहयोग की अपेक्षा है।

पोरवाल व पीचा का परिषद् ने किया बहुमान

माही की गूंज, थांदला।

पूज्य पुण्य सम्राट श्रीमद् विजय जयंतसेन सूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी म.सा., आचार्य श्रीमद् विजय जयरत्न सूरीश्वरजी म.सा. की शुभ प्रेरणा एवं आशीर्वाद से परिषद् परिवार का राष्ट्रीय सम्मेलन 1 अक्टूबर 2023 रविवार को नेनावा नगर मे आयोजित होगा। नेनावा सम्मेलन मे परिषद् को नई दिशा देने एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रवास कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय निर्देशन के दायित्व का निर्वाह करते हुए अखिल भारतीय राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय सहमंत्री रूपेश पोरवाल एवं

कार्यकारणी सदस्य उमेश पींचा ने बामनिया, करवड़, सारंगी आदि स्थानों का दौरा कर परिषद् परिवार की बैठक कर प्रवास कार्यक्रम के एजेंडे के अनुसार चर्चा करते हुए सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आव्हान किया।

इस दौरान शाखा परिषद् द्वारा किए गए सेवा कार्यो के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुझाव दिए व परिषद् के वार्षिक संबद्धता शुल्क जमा करने का निवेदन किया। बैठक में दिशा मार्गदर्शन व गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने के लिए शाखा परिषद अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय सहमंत्री रूपेश पोरवाल एवं उमेश पींचा का बहुमान किया गया।

अणु पब्लिक स्कूल में 650 स्कवेयर फीट की गणेश जी की रंगोली बनाई

माही की गूंज, थांदला।

गणेश चतुर्थी महोत्सव के चलते अणु पब्लिक स्कूल में गणेश जी की स्थापना पर्व से विर्सजन तक एक महोत्सव की तरह मनाया गया। इस महोत्सव में प्रत्येक दिन विद्यालय में बच्चों के दिन की शुरुआत गणेश जी की आरती से होती आई हैं जिससे बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा जाग्रत हों। इस महोत्सव के अंतिम दिवस पर विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिका द्वारा बच्चों हेतू गणेश जी की फूल-पत्तियों के द्वारा 650 स्क्रेयर फीट की रंगोली बनाई गई।

सरकार की घोषणा से संतुष्ट नही पटवारी, नही लौटे काम पर जारी रहेगी हड़ताल

माही की गूंज, पेटलावद।

23 अगस्त से हड़ताल पर बैठे प्रदेश भर के 19 हजार पटवारीयो की हड़ताल खत्म होने का नाम नही ले रही है। प्रदेश सरकार की कैबिनेट की बैठक में पटवारियों का भत्ता 28 सौ से बढ़ाकर 4 हजार करने के निर्णय के बाद, पटवारी संघ सरकार की घोषणा से संतुष्ट नजर नही आया और संघ ने अपनी हड़ताल जारी रखने की घोषणा की। पेटलावद विकास खण्ड के समस्त पटवारी लगातार एक माह से तहसील परिसर में हड़ताल पर बैठे हैं और सरकार से अपनी मांगे पूरी करने की गुहार लगा रहे है। पेटलावद पटवारी संघ के अध्यक्ष ईश्वर पाटीदार ने बताया कि, सरकार पटवारियों को गुमराह कर रही है। हमको भत्ते के 23 सो मिल रहे हैं जिसे 4 हजार करने की बात की जा रही है । इसमें 5 सौ रुपये उनको मिलेंगे जिनके पास दो हलकों का प्रभार है बाकी के लिए 12 सो रुपये बढ़ाने की बात की जा रही है। चुनाव को देखते हुए पटवारी अपनी वर्षो से चली आ रही मांगो को मनवाने के लिए अड़े है तो सरकार जैसे-तैसे पटवारीयो की हड़ताल खत्म करना चाह रही हैं। सरकार और पटवारियों के बीच आम जनता और किसान पिस रहे हैं। लोगो के जाती, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित पावती, नामान्तरण, रजिस्ट्री, नक्शा आदि कामो के लिए परेशानी उठाना पड़ रही है। एक माह से अधिक समय हो जाने के कारण काम नही होंने से अब सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पटवारीयो के हड़ताल पर उतरने के कारण पहले कम बारिश और बाद में हुई अधिक बारिश के चलते किसानों को हुई नुकसानी के सर्वे होना जो अब तक नही हो पाया है।

निर्माण सामग्री चोरी करने वाले धराये, सामान खरीदने वाले से की लोहे की सामग्री जप्त

माही की गूंज, बामनिया।

18 सितम्बर को फरियादी सुरेश पिता धनजी कटारा निवासी गवली मोहल्ला बामनिया ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि, ग्राम असालिया का रहने वाला राजू पिता प्रेम सिंह निनामा अपनी बजाज डिस्कवर काले लाल रंग की मोटर साइकिल क्रमांक जीजे 21 आर 5906 पर रखकर गवली मोहल्ला बामनिया स्थित निर्माणाधीन मकान से 3 तराफे ले जाते देखा। मकान मे चेक करते मकान से 12 तराफे, एक लोहे की सब्बल, एक घन, चार लोहे की चैनल कीमती बीस हजार रुपए के नहीं मिले। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 647/2023 धारा 379 भादवि का पंजीबद्ध कर चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने विवेचना में लिया गया और चोरी करने वाले राजू पिता प्रेम सिंह निनामा निवासी असालिया द्वारा चौरी का माल 5 हजार रुपए मे मो. रफीक मंसूरी पिता सफ़ी मोहमद मंसूरी उम्र 40 निवासी बामनिया को बेचना कबूल करने पर आरोपी मो. रफीक से चौरी का खरीदा गया सामान 12 तराफे, एक लोहे की सब्बल, एक घन, चार लोहे की चेनल कीमती करीबन 20 हजार रुपए का जप्त किया और गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

संपादकीय

अनियोजित निर्माण के हठ का परिणाम विनाश

ज्यादा समय नहीं हुआ जब उत्तराखंड के तीर्थनगरी जोशीमठ में बड़े पैमाने पर आई दरारों के बाद भय व असुरक्षा का माहौल बन गया था। घरों में आई दरारों के बाद काफी लोगों को विस्थापित होना पड़ा। कई मकान जमींदोज भी हुए थे, कुछ दरार आने के बाद तोड़ दिए गए थे। उसके बाद केंद्र व राज्य सरकारें हरकत में आईं। अब राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की एक रिपोर्ट ने जोशीमठ को अपनी क्षमता से अधिक भार वहन करने वाला शहर घोषित किया है। साथ ही सिफारिश की है कि इस क्षेत्र में अब नए निर्माण को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दरअसल, शीर्ष वैज्ञानिक व प्रमुख तकनीकी संस्थानों ने इस साल जनवरी में जोशीमठ में भूमि धंसाव प्रभावित क्षेत्रों में भवन निर्माण का दबाव रेखांकित किया है। लेकिन राज्य सरकार ने रिपोर्ट मिलने के कई माह बाद भी इसे सार्वजनिक नहीं किया था, जिसको लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की थी। दरअसल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपनी एक सौ तीस पेज की रिपोर्ट में आपदा के बाद की स्थिति के मूल्यांकन के बाद ही निर्माण कार्य पर रोक की सिफारिश की है। यह रिपोर्ट आठ प्रमुख संस्थानों की पड़ताल के बाद तैयार की गई है। इन संस्थानों में रुड़की स्थित केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, आईआईटी रुड़की, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सेंटर ग्राउंड वॉटर बोर्ड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रुड़की शामिल रहे हैं। इन संस्थानों ने जोशीमठ में जमीन धंसने के कारणों की पड़ताल की और उससे उबरने के उपाय बताए। बताया जाता है कि, जनवरी के अंत में प्रारंभिक रिपोर्ट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सौंप दी गई थी। लेकिन राज्य सरकार ने इन रिपोर्टों को सार्वजनिक नहीं किया। अदालत की नाराजगी के बाद राज्य सरकार ने यह रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में हाईकोर्ट के विचार हेतु भेजी है।

दरअसल, रिपोर्ट बताती है कि जोशीमठ की वहन क्षमता से अधिक निर्माण शहर में किये गए। जहां भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप मकानों का डिजाइन तैयार नहीं किया गया, वहीं जमीन की भार वहन क्षमता का भी अवलोकन नहीं किया गया। एक किस्म से ढीली मिट्टी पर निर्माण कार्य होता रहा है। वहीं शहर में जल निकासी की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। आठ संस्थानों की रिपोर्ट बताती है कि यह शहर ग्लेशियरों द्वारा लायी गई मिट्टी पर बसा है। शहर के नीचे पानी के रिसाव से चट्टानें खिसक रही हैं। जिसके चलते धंसाव की गति बढ़ी है। दरअसल, इसे पैरा ग्लेशियल कहा जाता है। इस इलाके में कभी ग्लेशियर हुआ करते थे। ग्लेशियर पिघलने के बाद जो मलबा रह गया था उस पर ही शहर का बसाव हुआ है, जो अधिक भार वहन करने में सक्षम नहीं है। दरअसल, यहां की जमीन बोल्डर, बजरी और मिट्टी का जटिल मिश्रण है। जिसके खिसकने से यह संकट पैदा हुआ है। वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र में भूकंप की भी आशंका जतायी है। वहीं दूसरी ओर राज्य के वैज्ञानिक एनटीपीसी की विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना को लेकर भी संदेह जताते रहे हैं। लेकिन हालिया वैज्ञानिक अध्ययन में इसकी आशंका से इनकार किया गया है। हालिया अध्ययन बताते हैं कि, शहर में तर्कसंगत ड्रेनेज सिस्टम का अभाव रहा है। वहीं शहर के पुराने भू-स्खलन क्षेत्र में बसने के कारण यह संकट बढ़ा है। फिर क्षमता से अधिक अनियंत्रित निर्माण कार्य होने से समस्या विकट हुई है। दूसरी ओर अलकनंदा नदी से होने वाले कटाव को भी एक कारण माना गया है। वहीं आबादी का बढ़ता दबाव भी समस्या के मूल में है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जोशीमठ की आबादी साढ़े सोलह हजार के करीब थी। बताया जाता है कि, अब यह पच्चीस हजार से अधिक है। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की ने जोशीमठ में निर्माण शैली पर सवाल उठाये हैं और इस शहर समेत अन्य पहाड़ी शहरों में नगर नियोजन के सिद्धांतों की समीक्षा करने पर बल दिया है। यदि भू-जलवायु स्थितियों को ध्यान में रखकर नियामक तंत्र द्वारा लाई गई जागरूकता के साथ बेहतर भवन निर्माण सामग्री व तकनीक का प्रयोग किया जाएगा, तो ऐसी आपदाएं टाली जा सकती हैं।

जनतांत्रिक मूल्यों को नकारते असभ्य बोल

विश्वनाथ सचदेव

संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की आवश्यकता और औचित्य को लेकर अब भी सवाल उठ रहे हैं। वैसे यह अनुमान तो लगाया ही जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल महिला-आरक्षण जैसे ऐतिहासिक विधेयक के साथ विशेष अधिवेशन को जोड़कर नए संसद भवन को भी कुछ और विशेष बनाना चाहते होंगे। निश्चित रूप से इस विधेयक का पारित होना भारतीय जनतंत्र की एक विशेष उपलब्धि है। वर्षों से, दशकों से कहना चाहिए, यह मुद्दा चर्चा और विवाद का विषय बना रहा है। ऐसा नहीं है कि इस संदर्भ में पहल नहीं हुई, पर हर बार कोई न कोई पेंच पड़ जाता था। इस बार लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने लगभग शत-प्रतिशत बहुमत से इसे पारित किया है। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही इसे तत्काल लागू न करा कर सत्तारूढ़ दल ने कोई खेल खेला हो, पर फिर भी शुरुआत का स्वागत होना ही चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर इसे लागू करने की दिशा में शीघ्र ही कोई कदम उठाया जायेगा। फिलहाल तो यह एक ऐसा चैक ही है जिस पर कोई तारीख ही नहीं है।

लेकिन इस विशेष अधिवेशन को महिला आरक्षण विधेयक के संदर्भ में ही याद किये जाने की प्रधानमंत्री की चाह, शायद पूरी नहीं हो पायेगी। नए संसद भवन के इस पहले अधिवेशन के बजाय यह बात हमेशा याद रखी जायेगी कि जिस तरह के अपशब्दों का इस्तेमाल इस अधिवेशन में किया गया, वैसा हमारे पिचहत्तर साल के संसदीय लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ था। असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल की कहानी छोटी नहीं है, ऐसे शब्दों को लेकर एक पुस्तिका भी प्रकाशित की जा चुकी है और उसी के अनुसार न जाने कितनी बातों को संसदीय कार्रवाई से बाहर किया जा चुका है। आगे भी किया जाएगा। पर सवाल उठता है क्या मात्र इतना करना पर्याप्त है?

लोकसभा में बहस के दौरान सत्तारूढ़ दल के एक वरिष्ठ सदस्य ने बहुजन समाजवादी पार्टी के उतने ही वरिष्ठ सदस्य के संदर्भ में जिन शब्दों को काम में लिया है वह इतने घटिया हैं कि उन्हें लिखना भी उचित नहीं माना जायेगा। अध्यक्ष ने माननीय सदस्य के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकाल दिया है, और यह चेतावनी भी दी है कि आगे से फिर कभी भी ऐसे शब्दों को काम में लेंगे तो और कठोर कार्रवाई करनी पड़ेगी। सत्तारूढ़ दल के एक वरिष्ठ नेता, देश के रक्षा मंत्री, ने तभी अपनी पार्टी के सदस्य की इस शर्मनाक हरकत पर खेद प्रकट करना ज़रूरी समझा था। इस खेद व्यक्त करने को क्षमा मांगने के रूप में भी प्रसारित किया जा रहा है। पर सवाल अभद्र शब्दों का नहीं, उस बीमार मानसिकता का है जिसके चलते देश का कोई सांसद संसद-भवन में कार्रवाई चलने के दौरान ऐसी घटिया और नितांत आपत्तिजनक भाषा काम में लेते हुए हिचकता नहीं। देश भर में इस घटना की चर्चा हो रही है, पर संबंधित सदस्य ने अभी तक क्षमा मांगने की बात तो छोड़िए, खेद व्यक्त करना भी ज़रूरी नहीं समझा है। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका कहना था, 'नो कमेंट', और वे अपनी कार में बैठकर आगे बढ़ गए थे। उनका यह मानना है कि मामला लोकसभा-अध्यक्ष के समक्ष है, इसलिए उन्हें चुप रहना चाहिए। काश! वे तब भी चुप रहते जब उन्होंने सदन में उन आपत्तिजनक शब्दों को काम में लिया था।

भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने जो आपत्तिजनक और शर्मनाक बात कही थी वह सिर्फ बसपा के सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ ही नहीं थी। वस्तुतः वे शब्द एक पूरी जमात के खिलाफ जाते हैं। जिस तरह से यह बात कही गयी थी, उसका सीधा-सा यही अर्थ निकलता है कि देश के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति उनकी क्या राय है। देश का कोई भी विवेकशील नागरिक किसी समाज के प्रति ऐसी मानसिकता नहीं रख सकता। यह एक नितांत घटिया सोच की नितांत घटिया अभिव्यक्ति थी जो उस दिन देश की संसद में गूंजी।

सड़क की भाषा और अभिव्यक्ति का देश की संसद में पहुंचना अपने आप में एक दुखद स्थिति है। राजनीतिक विरोधियों के साथ वाद-विवाद जनतांत्रिक प्रणाली की आवश्यकता ही नहीं, विशेषता भी है। सांसदों में मतभेद होना भी स्वाभाविक है। मतभेदों की अभिव्यक्ति कटु भी हो सकती है। लेकिन जिस तरह की कटुता एक माननीय सांसद ने उस दिन सदन में दूसरे माननीय सांसद के प्रति दिखाई वह किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। अब तो यह कल्पना करना भी मुश्किल लग रहा है कि आरोपी सांसद ने अपने साथी सांसद से अब आंख कैसे मिला पायेंगे।

जीवन में भाषा की मर्यादा बनी रहे, यह ज़रूरी है। उतना ही ज़रूरी यह भी है कि देश के नागरिक एक-दूसरे के प्रति संयत और भद्र बने रहें। देश के विधायकों-सांसदों का तो यह भी दायित्व बनता है कि वे अपनी कथनी-करनी से देश के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें। पर यह जो उदाहरण माननीय सांसद ने उपस्थित किया है, किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है। इसके खिलाफ उचित और समुचित कार्रवाई होनी ही चाहिए।

सवाल सिर्फ अभद्र और अश्लील भाषा का नहीं है। संसद में हुआ यह घटनाक्रम हमारी संस्कृति और सभ्यता पर भी सवाल उठाता है। गुस्से में कभी कोई शब्द ऐसा निकल भी जाता है, पर किसी सभ्य और सुसंस्कृत समाज की पहचान यह है कि ऐसा कुछ हो जाने पर तत्काल क्षमा मांग ली जायेदृसिर्फ शब्दों से नहीं, मन से क्षमा मांगी जाये। पर हमारी राजनीति में ऐसी परंपरा शायद अब नहीं रही। राजनीतिक विरोधी को अपना दुश्मन मानने की यह प्रवृत्ति घटिया मानसिकता ही नहीं दर्शाती, जनतांत्रिक मूल्यों को भी नकारती है। कुछ अर्सा पहले इस मामले में नहीं एक अन्य संदर्भ में देश के संसदीय मामलों के मंत्री ने एक सांसद के 'अनुचित व्यवहार' के संदर्भ में कहा था, 'मैं तो उन्हें समझाने की कोशिश करूंगा, पर अंततः उनका व्यवहार उनकी संस्कृति को ही दर्शाता है।' निश्चित रूप से हमारी संस्कृति घटिया नहीं है, घटिया सोच और घटिया शब्दों के लिए हमारी गौरवशाली संस्कृति में कोई स्थान नहीं है। दुर्भाग्य से, यह घटियापन हमारी राजनीति में बार-बार उजागर हो रहा है। इस पर रोक लगनी ही चाहिए।

दुर्भाग्य तो यह भी है कि हमारे बड़े नेता भी अभद्र भाषा और अशालीन अभिव्यक्ति से स्वयं को बचा नहीं पाते। नियमों से, कानून से इस प्रवृत्ति पर कुछ अंकुश लग सकता है, पर असली अंकुश तो व्यक्ति की अपने सोच से ही लगेगा। आवश्यकता घटिया सोच को बदलने की है। बिधूड़ी जैसे हमारे प्रतिनिधि जितना जल्दी इस बात को समझ लेंगे, उतना बेहतर है। किसी भी सभ्य समाज में उनके जैसा व्यवहार अस्वीकार्य है, यह बात उन्हें समझनी होगी, उन्हें समझानी होगी। देखते हैं लोकसभा अध्यक्ष यह कैसे समझाते हैं।

निष्पक्ष चुनाव और चुनाव आयोग की भूमिका

सनत कुमार जैन

कुछ माह में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव होना है। चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों के मन में यह धारणा बनने लगी है, क्या भारत में निष्पक्ष चुनाव संभव है। चुनाव आयोग की भूमिका क्या निष्पक्ष है। चुनाव में सत्ता पक्ष की भूमिका मतदाताओं को प्रभावित कर रही है? चुनाव के पहले जिस तरह रेवड़ियां बाटी जा रही है। उसको लेकर अब यह चर्चा जन-जन के बीच होने लगी है। चुनाव के दौरान जिस तरह से सत्ता सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है, उसको लेकर भी आमजन आश्चर्यचकित हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केवल इसलिए रद्द कर दिया था, कि इंदिरा गांधी ने जिस मंच से चुनावी भाषण दिया था। वह मंच उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार गया था। उनके मंच में यशपाल कपूर जो उनके निजि सचिव थे। वह मंच पर मौजूद थे। इन दो कारणों से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए न केवल इंदिरा गांधी को हाईकोर्ट में गवाही के लिए तलब किया। वरन उनका चुनाव भी अवैध घोषित कर दिया। हाईकोर्ट के ?निर्णय ने भारतीय राजनीति को बदलकर रख दिया।भारत में पहली बार आपातकाल लगा। जिसकी चर्चा आज भी होती है। टीएन सेशन 12 दिसंबर 1990 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने। उन्होंने 6 साल का कार्यकाल पूरा किया। निष्पक्ष चुनाव के लिए उन्हें जो समझ में आया, वह उन्होंने किया। वह कभी केंद्र सरकार और राजनीतिक दलों के प्रभाव में नहीं आए। चुनाव पारदर्शी बनाने के लिए, चुनाव की गड़बड़ियों को रोकने के लिए, उन्होंने 1993 में पहली बार फोटो युक्त मतदाता परिचय पत्र अनिवार्य किया। अधिसूचना जारी होने के बाद से वह निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए खुद ही नियुक्तियां करते थे। सेना और पुलिस बल को चुनाव आयोग ही तैनात करता था। इसमें भी केंद्र सरकार की मनमर्जी नहीं चली। मतदान के दौरान शिकायत मिलने पर मतदान रोककर दोबारा मतदान कराने, सभी राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के ?लिये अवसर ?दिये। इसके लिए उन्होंने प्रिंट मीडिया, आकाशवाणी, दूरदर्शन इत्यादि को भी आचार संहिता में लपेटकर नियंत्रित करने का काम किया। चुनाव के दौरान कोई भी घोषणाएं सरकार न कर पाए, इस पर भी ध्यान रखा। चुनाव आयुक्त टीएन सेशन का सरकार और राजनेताओं पर इतना खौफ हो गया था। उनके खिलाफ महाभियोग लाने का प्रयास किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव ने महाभियोग के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। जनता के बीच टीएन सेशन बड़े लोकप्रिय हुए। सरकार को लग रहा था, कि महाभियोग लाया गया तो जनता नाराज हो सकती है। सरकार ने टीएन सेशन को नियंत्रित करने के लिए तीन चुनाव आयुक्त बनाए। जीवीजी कृष्णमूर्ति और एमएस गिल को बराबर के अधिकार दिए गए। सेशन इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की कार्यवाही पर मोहर लगाई थी। इसके बाद भी टीएन सेशन निष्पक्ष चुनाव कराने में पूर्णतः सफल रहे। वह पहले ऐसे चुनाव आयुक्त थे। जिन्होंने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए कभी कोई समझौता तथा दबाव स्वीकार नहीं किया। जो दो नए चुनाव आयुक्त बनाए गए थे। वह भी उनके काम में दखलंदाजी नहीं कर पाए। वर्तमान में चुनाव आयोग की जो कार्य प्रणाली है। लोग टीएन सेशन के कार्यकाल से उसकी तुलना करने लगे हैं। अब चुनाव आयोग है या नहीं, इसकी चर्चा होती है। सरकार के निर्देश पर ही चुनाव हो रहे हैं।

चुनाव के कुछ महीने पहले से सरकारी खजाने से सरकार रेवडियां बांटने लगती है। सरकारी खर्चे से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है। स्टार प्रचारकों के नाम पर सरकारी खर्च पर चुनाव को प्रभावित किया जाता है। चुनाव के दौरान सरकारी धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होता है। 2014 के बाद से मीडिया भी, सरकार के इशारे पर कवरेज करता है। विपक्ष को मीडिया में कोई स्थान नहीं मिल रहा है। विपक्ष की आवाज जनता तक नहीं पहुंच रही है। इन सब स्थितियों को देखते हुए, यह कहा जाने लगा है, कि भारत में निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं रहे। मतदाताओं को खुलेआम प्रलोभन दिया जाता है। मतदाताओं को खुलेआम धमकाया जाता है। मीडिया पक्षपाती हो गया है। आकाशवाणी और दूरदर्शन भी निष्पक्ष नहीं रहे। निजी चैनल उद्योग पतियों के कब्जे में हैं। उन पर चुनाव आयोग का कोई नियंत्रण नहीं है। सरकार यदि यह मानती है, कि सत्ता और मुफ्त की रेवड़ी उसे चुनाव जिता सकती है। तो यह सरकार का भ्रम है। पिछले वर्षों में कई ऐसे विधानसभा के चुनाव हुए हैं। जहां सत्ता ने मुफ्त की रेवड़ी भी बांटी,मतदाताओं को बड़े-बड़े प्रलोभन दिए। उसके बाद भी सत्तारूढ़ दल अपनी सत्ता को नहीं बचा पाया। हिमाचल और कर्नाटक प्रदेश के चुनाव प?रिणाम ताजा उदाहरण हैं। ईवीएम की भूमिका पर भी लगातार प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। चुनाव आयोग सरकार के सामने बेबस नजर आता है। ऐसा लगता है, कि चुनाव आयोग की भूमिका केवल चुनाव की अधिसूचना जारी करने और चुनाव की तारीखें घोषित कर चुनाव परिणामों को घोषित करने तक सीमित हो गई है। चुनाव आयोग का नियंत्रण चुनाव कराने वाली एजेंसियों पर नहीं रहा। आशा की एकमात्र किरण आम जनता है,जो रेवड़ी भी खा लेती है,और मन माफिक मतदान करती है। सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जो नए नियम बनाए हैं। यदि वह नियम लागू हो गए, तो चुनाव आयोग की निष्पक्षता कार्य संभव नहीं होगा। सरकार का दबाव चुनाव आयोग पर बढ़ जाएगा। जब टीएन शेषन से नाराज होकर नेता महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे थे। तब तत्कालीन नरसिंहराव सरकार की हिम्मत नहीं बनी थी। चुनाव आयोग टीएन सेशन को हटाने के लिए महाभियोग लाया जाए। मतदाताओं का विश्वास निष्पक्ष चुनाव और चुनाव आयोग पर ही निर्भर करता है। सरकार को भी यह बात समय रहते समझना होगी। चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी लेनी होगी। अन्यथा लोकतंत्र के वर्तमान स्वरूप को बनाए रखना बहुत मुश्किल होगा।

सौर अनुसंधान में भारत की नई ऊंचाईयां

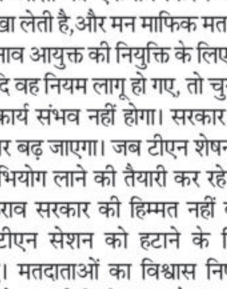

अरूण कुमार ग्रोवर

चएफ ब्लानफोर्ड को भारतीय मौसम विभाग का महानिदेशक बनाने (1875-89) के वक्त से भारत का सौर उर्जा अनुसंधान परंपरागत तौर पर काफी समृद्ध रहा है। उन्होंने 1881 में प्रस्तावित किया था कि धरती की सतह पर पड़ने वाले सूर्य-ताप का सटीक रिकॉर्ड रखा जाए, साथ ही ऋतुओं से साथ इसमें आते बदलाव और भारत में मानसून की चाल का लेखा-जोखा भी रखा जाए। पंजाब में विज्ञान को लोकप्रिय करने में अग्रणी रहे रुचि राम साहनी पहले स्थानीय अफसर थे जिनकी नियुक्ति ब्लानफोर्ड के अधीन बतौर द्वितीय उप-मौसम लेखाधिकारी हुई थी और वे शिमला में इंपीरियल मिटियोरोलॉजिकल रिपोर्टर के पद पर रहे।

द कोडाईकनाल सोलर ऑब्ज़र्वेटरी (केएसओ), जो कि मद्रास ऑब्ज़र्वेटरी के बाद बनी, 1899 में स्थापित हुई। यहीं पर 1900 में ब्रिटिश खगोलशास्त्री जे.एवरशेड ने सौर-खगोलशास्त्र में नए प्रभावों को खोजा था, जिसका नामकरण उनके नाम पर 'एवरशेड इफैक्ट' हुआ। एवरशेड ने केएसओ में काम करने को केएस कृष्णन को भी आमंत्रित किया। लेकिन वे सीवी रमन के साथ काम करने कलकत्ता चले गए। कृष्णन और रामन 1928 में हुई खोज'रामन इफैक्ट' के सह-लेखक थे। भारत सरकार ने दिसम्बर 2008 में एवरशेड इफैक्ट की शताब्दी मनाने के लिए डाक-टिकट जारी की थी। 1971 में कोडाईकनाल और कवालूर ऑब्ज़र्वेटरी को मिलाकर बेंगलुरू में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स की स्थापना हुई, इसी संस्थान ने आदित्य-एल1 के मेन पेलोड में लगा विज़िबल लाइन एमिशन क्रोनोग्राफ बनाया है। अंतरिक्ष की ओर अग्रसर भारत का पर्यवेक्षक अभियान, आदित्य एल-1 अगले साल के आरंभ में अपने गतंव्य यानी उस जगह पहुंचेगा जहां पर पृथ्वी और सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल एक समान है। इस परिक्रमा पथ में रहते हुए एल-1 अपना पर्यवेषण कार्य शुरू करेगा, जो अगले पांच साल या अधिक जारी रहेगा। भारतीय अभियान में सात पेलोड हैं, जो फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परत का सर्वेक्षण करेंगे। हालांकि, इसको सौंपा गया सामरिक कार्य है अंतरिक्ष का मौसम अर्थात सूर्य के कोरोनल मास इजैक्शन (सीएमई) के कारण चुम्बकीय क्षेत्र में पैदा होने वाले अप्रत्याशित तीखे चढ़ाव (स्पाइक्स) का अध्ययन। सूर्य से अलग-अलग दिशाओं में छूटा सीएमई एक सुपरसॉनिक इलैक्ट्रो-मैगनेटिक वैपन की तरह है, जिसके निशाने में कई बार पृथ्वी भी आ जाती है। इसकी विध्वंसक शक्ति की तीव्रता फैलने के साथ-साथ घटती जाती है लेकिन अक्सर फिर भी इतनी ताब रखती है, जो हमारी तकनीक-आधारित सभ्यता के संचार और पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट्स के लिए खतरा बने। यह तीव्र चुम्बकीय तरंगें धरती पर हाई वोल्टेज ग्रिड को भी नुकसान पहुंचाती हैं। इस नुकसान से बचने का एकमात्र सुरक्षा उपाय है, वैश्विक बिजली ग्रिड को पूरी तरह बंद कर देना।

हर 11 साल बाद सूरज की सन-स्पॉट एक्टिविटी के बारे में हमें पता है, इस प्रक्रिया में अगला उरोज 2026 के आसपास होगा, जब आदित्य एल-1 अपने काम में लगा होगा। लगभग पिछले तीन दशकों से नेशनल एयरनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) अंतरिक्ष-मौसम की निगरानी एल-1 परिक्रमा में स्थापित किए अनेक उपग्रहों के जरिए करता आया है। 22 जून 2015 को नासा को इन्होंने तीव्र सोलर-स्टॉर्म की अग्रिम चेतावनी दी थी। अक्तूबर 2016 में, अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने नासा और अमेरिका में अन्य सरकारी एजेंसियों को इस प्रकार के आपातकालीन हालात की तैयारी करने का कार्यकारी आदेश दिया था। यूके भी अपने राष्ट्रीय जोखिम निगरानी कार्यक्रम में विपरीत अंतरिक्ष-मौसम को गंभीर प्राकृतिक आपदा की तरह लेता है।

यह संयोगवश हुई खोज, 22 जून 2015 को गामा-रे एस्ट्रोनॉमी एट पीइवी एनर्जी एस-फेस 3 (ग्रेप्स) नामक एक भारतीय कॉस्मिक-रे प्रयोग में यह पाया कि पृथ्वी का 'चुम्बकीय आवरण धीरे-धीरे क्षीण हो रहा है' और इसका संबंध 22 जून 2015 को आए सौर-विकिरण तूफान से है, यह अध्ययन वर्ष 2016 में भौतिकी विज्ञान की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में एक 'फिज़िक्स रिव्यू लैटरर्स' में छपा था। भारतीय खोज में यह भी दिखाया गया है कि पृथ्वी का अपना चुम्बकीय आवरण सौर-विकिरण तूफान को रोकने में अवरोध (ब्रेक) का काम करता है, और एल-1 परिक्रमा-कक्ष में इसकी तीव्रता को 700 किमी प्रति घंटा से घटाकर 35 किमी प्रति घंटा कर देता है। सौर-विकिरण तूफान को पृथ्वी तक पहुंचने में कितना समय लगेगा, इसकी सटीक गणना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि वैश्विक ग्रिड-बंदी से होने वाले आर्थिक नुकसानों को न्यूनतम किया जा सके।

इस खोज ने ग्रेप्स-3 विधि को अंतरिक्ष-मौसम के अध्ययन में सबसे संवेदनशील औजार स्थापित कर दिया है। ऊटी में किए गए प्रयोग ने समूचे विश्व मीडिया का ध्यान खींचा था। 119 मुल्कों में, 37 भाषाओं में 1000 से ज्यादा खबरें इस पर आईं। भारतीय अणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोडकर ने अंतरिक्ष-मौसम पर स्वतंत्र अनुसंधान को सर्वोच्च तरजीह देने का आह्वान किया है। वर्ष 2017 में आईयूपीएपी के खुले अधिवेशन में ग्रेप्स-3 के समूह अगुवा प्रोफेसर एसके गुप्ता को इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एप्लाइड फिज़िक्स (आईयूपीएपी) कमीशन-4 का अध्यक्ष चुना गया है। इस साल के आरंभ में, नागोया जापान में हुई इंटरनेशनल कॉस्मिक रे कान्फ्रेंस में उन्हें प्रतिष्ठित ओ'सीलेग पदक से सम्मानित किया गया है।

कॉस्मिक रे रिसर्च पर भारत की भागीदारी 1926 में प्रोफेसर एएच कॉम्पटन (जिन्हें 1927 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला) की यात्रा से शुरू हुई थी, जब लाहौर स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी ने संयुक्त अनुसंधान के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। लाहौर से जेएम बेनाडे, एसएस भटनागर और नज़ीर अहमद ने कॉम्टम की टीम के साथ मिलकर गुलमर्ग के पास झील के तल में आयोनाइसेज़शन डिटेक्टर उतारकर कॉस्मिक रे की तीव्रता को मापा था। होमी भाभा, जोकि उस वक्त एक माध्यमिक शिक्षा छात्र थे, ने बम्बई (मुम्बई) में कॉम्टन के दिए संबोधन से प्रेरित होकर भौतिकी के क्षेत्र में जाना चुना। वर्ष 1931 में, जिस पहले सफल प्रयोग ने कॉस्मिक रे की संरचना को बतौर चाजर्ड पार्टिकल स्थापित किया था, उसके तहत भारत के विभिन्न अक्षांशों पर किए अध्ययन में कॉम्टन और फोरमैन क्रिस्चिएन कॉलेज, लाहौर से उनके भारतीय सहयोगी बेनाडे, आर विल्सन और मनाली के पास नग्गर स्थित उरुस्वती हिमालयन रिसर्च इंस्टीट्यूट के भूविज्ञानी जॉर्ज रोरिक ने साथ दिया था। 1955 में, भाभा ने अपने विद्यार्थी बीवी सिरिकेतन को ऊटी में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) में कॉस्मिक-रे प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। वहां भारत-जापान सहयोग से ग्रेप्स-3 प्रयोग जारी हैं। भाभा को अक्सर इन कालजयी शब्दों के कारण याद किया जाता है: 'प्रत्येक आरंभिक खोज एक दिन उपयोगी सिद्ध होती है।'

एमटीएफई फर्जीवाड़े के तार विदेश से जुड़े, कंपनी मालिक सहित अन्य रिमांड पर

पुलिस ने स्पेन में संपर्क कर फ्रीज करवाए लाखों रुपए

एसपी की अपील धोखाधड़ी का हुए शिकार तो पुलिस को करें शिकायत

माही की गूंज, रतलाम।

ऑनलाइन एप से लोगों की मेहनत की कमाई को डकारने वाली फर्जी एमटीएफई कंपनी के फर्जीवाडे के तार अब विदेश से भी जुड़ने लगे है। एमटीएफई कंपनी की हिस्सेदार कंपनी कलिन के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह है कि, रतलाम पुलिस ने स्पेन में क्रिप्टो एक्सचेंजर बाइनेंस से संपर्क कर लोगों की जमा राशि को फ्रीज भी करवाया है। बेंगलुरू में संचालित फर्जी कंपनी का मालिक योगानंद सहित स्टेशन रोड थाने पर दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार संदीप टांक निवासी प्रतापगढ़, गोविन्द सिंह चंद्रावत निवासी जवाहर नगर को न्यायालय में पेश किया। जहां से सभी आरोपियों को 6 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि, एमटीएफई का फ्राड इटंरनेशनल स्टार पर चल रहा है। भारत के अलावा इस फ्राड पर सिंगापुर, श्रीलंका की एजेंसियां जांच में जुटी है। भारत में सबसे पहले रतलाम पुलिस फर्जी एमटीएफई ऑनलाइन कंपनी को लेकर पहली कार्रवाई की गई है। लोगों को विश्वास दिलाने के लिए फर्जी एमटीएफई ने श्रीलंका में हुए क्रिकेट लीग के दौरान विज्ञापन तक दिखाया था। धीरे-धीरे लोगों को झांसे में लेकर यह फर्जीवाड़ा करने लगे। भारत में ही करीब 10 लाख 68 हजार से भी ज्यादा अकाउंट हैं। रतलाम पुलिस ने देश में पहली बार इस स्तर तक कार्यवाही की है। आगे जाकर इस मामले में ईडी और केंद्रीय एजेंसियां भी जांच में शामिल हो सकती हैं। इसके लिए उनसे पत्राचार किया जा रहा है।

कंपनी मालिक संग प्रमोटर्स पर कसा शिकंजा

एसपी लोढ़ा ने बताया कि, रतलाम जिले के हुजैफा जमाली के साथ गोविंद सिंह पिता रतन सिंह चंद्रावत निवासी जवाहर नगर, संदीप पिता फकीर चंद्र निवासी प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया है। गोविंद और संदीप न केवल प्रचार कर रहे थे, बल्कि उन्हें जानकारी थी कि बॉयनेंस कंपनी का वीडियो दिखाकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। इसके बावजूद वे निवेश करने वाले लोगों से उनके क्यूआर कोड और नगद में पैसा लेकर कंपनी के लिए निवेश करवा रहे थे। इन तीनों के अलावा बैंगलोर में कलिन नाम से फर्जी कंपनी बनाकर रुपयों को ब्लैक से वाइट करके निकालने में मदद करने वाले योगानंदा निवासी बेंगलुरू को भी गिरफ्तार किया है। योगानंदा कलिन कंपनी का मालिक बताया जा रहा है।

एसपी की अपील- किया ऐसा निवेश तो हमें बताएं

एसपी ने बताया कि, रतलाम जिले के जो लोग पुलिस के पास आए थे, उनकी एफआईआर दर्ज करके कार्यवाही को पहली बार इस मुकाम तक पंहुचाया है। बाइनेंस कंपनी से संपर्क करके 39 लाख रुपए फ्रीज़ करवाए हैं। उन्होंने सभी से अपील की है कि जिसने भी यहां निवेश किया है, वह क्यूआर कोड, नाम, एड्रेस आदि के साथ जानकारी पुलिस को भेजे तो संभवतः उनका पैसा भी वापस मिल सकता है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह फ्राड इंटरनेशनल लेवल पर है और जितने ज्यादा लोग सामने आएंगे राशि जारी करवाने के लिए उतना दबाव बनाया जा सकेगा।

डोडा चूरा से भरे ट्रक के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश में अवैध नशा का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश में अवैध नशे कारोबार चरम सीमा पर है, मिली जानकारी के मुताबिक, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मंदसौर पुलिस ने अवैध नशे को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। सीतामऊ पुलिस ने 7 लाख 50 हजार की कीमत के आयशर ट्रक से 375 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया है।

यह है मामला

सीतामऊ थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, एक ट्रक में बड़ी मात्रा में अवैध डोडाचूरा की तस्करी होने वाली है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक टीम गठित कर कार्यवाही करते हुए सीतामऊ सुरखेड़ी रोड से कलीम पिता सलीम खान निवासी बाड़ौदा मांझी थाना बदनावर जिला धार और वाहिद उर्फ बबलु पिता एहमद नूर निवासी लदुना के कब्जे वाले ट्रक क्रमांक एमपी 14 एचसी 0774 में गेहूं की बोरियों के नीचे छिपाकर रखा 20 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 375 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा जब्त किया है। वहीं ट्रक मालिक को भी आरोपी बनाया है जो फरार है। जिसकी कीमत 7 लाख 50 हजार बताई गई है।

पुलिस ने ट्रक मालिक सादान खान निवासी लदुना को भी आरोपी बनाया है, जो फरार है। मामले में आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ की तस्करी की धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की रही हैं।

कर्मचारी की करंट लगने से हुई मौत

माही की गूंज, शाजापुर। बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे दुपाड़ा गेट के समीप एमपीबीके के कर्मचारियों की करंट लगने से मौत हो गई। परिजन ने जानकारी देते हुए बताया कि, श्यामलाल फुलेरिया पिता गुमानजी निवासी दुपाड़ा मे लाइट बंद व चालू करने का कार्य करता था, कार्य करने का दौरान करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। जिनको उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया।

खेलो मध्य प्रदेश यूथ गेम के अंतर्गत संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगीता में बालिका टीम विजयी

अगले चरण में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

माही की गूंज, रतलाम।

खेलो मध्य प्रदेश यूथ गेम के अंतर्गत खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन देवास में किया गया। जिला खेल अधिकारी रुचि शर्मा ने बताया कि, संभागीय खो खो प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग के सात जिलों की टीमों ने भाग लिया जिसमें रतलाम बालिका टीम ने फाइनल मैच में शाजापुर टीम को हराकर फाइनल में जीत दर्ज की, तथा राज्य स्तरीय खेलों मध्य प्रदेश युथ खेल मे चयन हुआ है। अगले चरण में जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। खिलाड़ियों की इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक रतलाम राहुल कुमार लोढा द्वारा सभी बालिकाओं को उनकी इस उपलब्धि पर जिले का नाम रोशन करने पर रतलाम पुलिस की तरफ से बधाई दी। जिला खेल अधिकारी रुचि शर्मा, खेल प्रकोष्ठ के अनुज शर्मा, संजय शर्मा, ब्लॉक को ऑर्डिनेटर दुर्गा शंकर मोयल, अमित सिंह राजपूत, ममता सिंह, प्रीति चरपोटा, हार्दिक कुरवारा आदि सभी खेल संस्थाओं के अधिकारियो द्वारा भी विजयी टीम की बालिकाओं को बधाई दी।

नौकरी दिलाने के नाम पर सचिव ने की ठगी, युवक ने दिया कोतवाली में आवेदन

माही की गूंज, शाजापुर।

शहर के एक युवक ने ग्राम पंचायत सांपखेड़ा के पंचायत सचिव पर नौकरी दिलाने के नाम पर राशि लेने और भर्ती निरस्त होने के बाद भी पैसे वापस न देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में युवक ने एक आवेदन कोतवाली व कलेक्टर कार्यालय में सौंपकर पैसे वापस दिलवाने और कार्यवाही की मांग की है।

रामदयाल नगर निवासी युवक दिलीप पिता स्व. रमेशचन्द्र कुम्भकार निवासी रामदयाल नगर ने थाना कोतवाली को दिए गए आवेदन में बताया कि, विधानसभा में कम्प्यूटर ऑपरेटर की भर्ती के लिये आवेदन किया था। फार्म भरने के बाद उसने प्रजापति समाज के अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सांपखेड़ा के सचिव मनोहर कुम्भकार निवासी काशी नगर शाजापुर से मुलाकात की तो उन्होंने कहा कि उनकी भोपाल तक पहुंच है और वह यह नौकरी उसे दिला देंगे। इसके बाद वे युवक को दो बार भोपाल भी ले गए। इसके बदले उन्होंने 5 लाख देने की बात कही। जब युवक ने बताया कि, उसके पास इतनी राशि नहीं है तो तब ग्राम पंचायत सचिव ने कहा कि अभी 1 लाख पचास हजार रुपए दे दो बाकी के नौकरी लगने के बाद दे देना। इस पर युवक ने उन्हें अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से 1 लाख रुपए की व्यवस्था कर अक्टूबर 2022 में उन्हें दे दिए। पैसे लेने के बाद ग्राम पंचायत सचिव ने युवक से कहा कि, आपकी नौकरी के लिये बात कर ली है।

युवक ने आवेदन में आरोप लगाया कि, पैसे देने के 3 महीने के बाद जब वेकेंसी का फीडबेक लेने का कहा तो बोलते है में बात करता हूं। अभी फीडबेक नहीं लिया है। इसके बाद दिलीप को पता चला कि विधानसभा भोपाल की वेकेंसी केंसिल हो गई है। इसके बाद युवक ने जब मनोहर कुंभकार से संपर्क किया और पैसे वापस मांगे तो उन्होंने पैसे वापस देने को तो कहा लेकिन 8 माह बीत जाने के बाद भी वे वे पैसे नहीं लौटा रहे हैं। इससे परेशान होकर दिलीप ने कोतवाली थाने और कलेक्टर कार्यालय में आवेदन सौंपकर अपनी राशि वापस दिलाने की मांग की है।

युवक ने आवेदन में यह भी बताया कि, उसने यह राशि उधार लेकर उन्हें सौंपी थी और यदि राशि वापस नहीं मिलती है तो वह आत्महत्या करने को मजबूर होगा जिसकी समस्त जवाबदारी मनोहर कुंभकार की होगी।

वहीं पूरे मामले में ग्राम पंचायत सांपखेड़ा सचिव मनोहर कुंभकार ने बताया, मैने कोई राशि नहीं ली है। आपसी मनमुटाव के चलते युवक द्वारा मुझ पर आरोप लगाया जा रहा है और मुझे बदनाम करने की साजिश है। मुझ पर लगाए गए आरोप निराधार है।

जिला अस्पताल में डॉक्टर बनकर युवक ने युवती के साथ की छेड़छाड़

माही की गूंज, शाजापुर।

बुधवार को शाजापुर जिला अस्पताल में एक युवक ने डॉक्टर बनकर युवती के साथ छेड़छाड़ की। अस्पताल में मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ कर जिला अस्पताल चौकी पुलिस के हवाले किया। रितेश कुमार मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि, जिला अस्पताल में एक मनचला युवक डॉक्टर बनकर युवती के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। जिसे देख अस्पताल में मौजूद लोगों ने मनचले युवक को पकड़ कर अस्पताल चौकी पुलिस के हवाले किया।

आरएमओ डॉ. सचिन नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि, एक युवक जिला अस्पताल में छेड़छाड़ कर रहा था। जिसको पुलिस के हवाले किया गया। उन्होंने बताया कि, युवक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है।

अभिभाषकों ने 'एडव्होकेट प्रोटेक्शन' एक्ट की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला अभिभाषक संघ के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बड़ी संख्या में अभिभाषक कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां कलेक्टर किशोर कन्याल को मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में बताया, मुख्यमंत्री द्वारा वकिल पंचायत का आयोजन कर वर्ष 2018-19 में घोषणा की गई थी कि प्रदेश में जल्द ही एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागु किया जाएगा, लेकिन अब तक प्रोटेक्शन एक्ट लागू नही किया गया है। ज्ञापन में बताया कि, संपूर्ण मध्यप्रदेश में न्याय प्रक्रिया के आधार स्तंभ अधिवक्ताओं पर विगत दिनों में कई हमले हुए हैं जिनमें कई अधिवक्ताओं की जाने जा चुकी हैं। म.प्र. में कार्यरत अधिवक्ताओं, संघों की ओर से निरंतर एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की जा रही है जिन पर ध्यान नही दिया जा रहा है। ज्ञापन में शीघ्र ही एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की मांग की गई। इस मौके पर जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष कमलकिशोर श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष मदनसिंह चौहान, सचिव मनीष शर्मा, सह सचिव निलेश पांडे, कोषाध्यक्ष प्रशांत चौहान, पुस्तकालय सचिव अखिलेश रजक, वरिष्ठ अभिभाषक नारायणप्रसाद पांडे, अनिल आचार्य, करण सिंह गुर्जर, रामकुमार शर्मा, नरेंद्र तिवारी, दीपक पवार, विनय शर्मा, अमित सोंती, संजय पाटोंदा, जाहिद अली वारसी, मनीष नागर आदिवासी संघ के मीडिया प्रभारी एडव्होकेट सईद पठान उपस्थित थे। इस अवसर पर सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं की ताकत से विधानसभा में फिर से खिलाएंगे कमल- भीनावद

माही की गूंज, शाजापुर।

भारतीय जनता पार्टी सिर्फ विकास में विश्वास करती है और शाजापुर विधानसभा में भाजपा सरकार में जो विकास कार्य हुए है वे शायद कभी नहीं हुए। लंबे समय से इस विधानसभा पर कांग्रेस काबिज है, लेकिन 2013 में जनता ने विधायक के रूप में मुझे चुना था और तब यहां के अटके विकास कार्यों को भाजपा सरकार के माध्यम से पूरा करने का प्रयास किया था। अब समय फिर आया है शाजापुर के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने के लिए पार्टी नेतृत्व ने अवसर दिया है, कार्यकर्ताओ की ताकत से शाजापुर विधानसभा इस बार फिर प्रचंड बहुमतो से विजय हासिल करेंगे।

यह बात पूर्व विधायक एवं शाजापुर विधानसभा भाजपा प्रत्याशी अरुण भीमावत ने मंगलवार को जिला कार्यालय पर प्रत्याशी घोषित होने के बाद कार्यकर्ताओ द्वारा किए गए स्वागत समारोह के दौरान संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि, भाजपा कभी विकास करने में कोई कसर नहीं छोड़ती है और शाजापुर विधानसभा का ऐसा कोई गांव नही होगा जहा 2013 से 2018 में मेरे विधायक के कार्यकाल में विकास कार्य नही हुआ होगा। हार जीत अपनी जगह है, लेकिन विकास के मामले में किसी गांव के साथ भेदभाव नहीं किया है। आज भी वह विकास कार्य हम सभी के सामने है। भीमावद ने नर्मदा लिंक परियोजना के बारे में बताते हुए कहा कि, अभी कुछ दिन पूर्व शाजापुर के वर्तमान विधायक मीडिया को नर्मदा लिंक परियोजना दिखाने ले गए और इस उपलब्धी को अपनी बताकर झूठी वाहा वाही लूट रहे है। यह परियोजना प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा दी गई सौगात है, जिसका भूमिपूजन हमारी ही पार्टी के जनप्रतिनिधियों के साथ मेने किया था, जिसका प्रमाण मेरे पास है। हमारे द्वारा बनाई गई योजना में 167 गांव शामिल थे, लेकिन 15 महीने की कमलनाथ सरकार में तत्कालीन जल संसाधन मंत्री रहे क्षेत्रीय विधायक ने 102 गावो को शामिल करके बाकी के गांव इसमें से हटा दिए थे। यह भेदभाव तत्कालीन विधायक ने क्षेत्र के गावो के साथ किया था, लेकिन आज यह महत्ती योजना चालू हो रही है तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कारण हो रही है। इन सब बातो को लेकर हमे जनता के बीच में जाना होगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मुझे फिर से शाजापुर विधानसभा का प्रत्याशी बनाया गया है। उसके लिए में सभी का आभार व्यक्त करता हु और साथ ही सभी कार्यकर्ताओ से आव्हान करता हु की पूरी ताकत के साथ इस विधानसभा चुनाव में लग जाए, ताकि प्रचंड बहुमत से हम इस विधानसभा में कमल का फूल खिला सके।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री संतोष बराड़ा, अशोक पाटीदार, महेंद्र चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन राठौर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष केतल पटेल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्याम टेलर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता रामचंद्र भावसार, तेजसिंह राजपूत, पूर्व जिला महामंत्री रवि पांडे, जिला मंत्री आशुतोष श्रीवास्तव, श्रद्धा नागर, जिला कोषाध्यक्ष किरण ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि प्रेम मालवीय, सोशल मीडिया संयोजक सोनू सोलंकी, मंडल अध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर, हरिओम गोठी, जगदीश पाल, गोपाल पटेल, मोहन जादौन, मक्सी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कालुसिंह पटेल भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन विधानसभा संयोजक प्रदीप चंद्रवंशी ने किया तथा आभार जिला कार्यालय मंत्री विपुल कसेरा ने माना।

जल उपचार से तृप्त हुई सतावड़ और लिक्खी की 2 बंजर पहाड़ियां

माही की गूंज, खरगोन।

घर का पानी घर व खेत का पानी खेत में संरक्षित करने की मुहिम जैसे ही जिले में पहाड़ी का पानी पहाड़ी पर ही रोकने की दिशा में बड़ा काम हुआ है। खरगोन जिले में सतवाडा व लिक्खी गांव के बरखेड़ा की पहाड़ी का पानी पहाड़ी पर ही सहेज लिया है। दोनों जगह 5.50 हेक्टेयर में लगभग 2 हजार 500 कंटूर बनाए गए। हाल की जोरदार बारिश में कंटूर में से पानी रिसकर पहाड़ियों को तृप्त करते हुए अमृत सरोवर व वाटरशेड तक पहुंचा। चार अमृत सरोवर व वाटरशेड जलाशय लबालब भर गए हैं। इनमें 7 करोड़ 63 लाख लीटर जल संग्रहण हुआ है। वॉटरशेड परियोजना अधिकारी श्री रमाकांत पाटीदार ने बताया कि खरगोन जनपद में वॉटरशेड मिशन और मनरेगा में सतवाड़ा-कमोदवाड़ा-साइखेड़ी-चन्दावड व लिक्खी गांव की बरखेड़ा पहाड़ी के लिए जल संरक्षण की कार्य योजना बनाई गई। इसमें कंटूर में पानी रोकने के साथ अमृत सरोवर व तालाबों के माध्यम से पहाड़ी पर ही पानी रोकने का नवाचार किया।

हाल की बारिश से सतावड व बोरखेड़ा की पहाड़ी के कंटूर, अमृत सरोवर व सिंचाई विभाग के जलाशय भर गए है। पहाड़ी पर जल उपचार के प्रयास सफल हुए। सतवाड़ा-कमोदवाड़ा-साईंखेड़ा-चन्दावड की पूरी पहाड़ी लगभग 5 किमी में फैली है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में चयन किया गया। यहां वॉटरशेड ने 4 नए 20 घन मीटर से अधिक क्षमता वाले अमृत सरोवर के रूप में वॉटर टैंक व मनरेगा में एक अमृत सरोवर बनाया। सालभर पहले एक अमृत सरोवर बनाया था।

4 अमृत सरोवर लबालब

पहाड़ी पर वॉटरशेड के 26 हजार, 22 हजार, 13 हजार व 12 हजार 400 घन मीटर क्षमता के 4 अमृत सरोवर। ढाई हेक्टेयर में 3-3 मीटर लंबाई, चौड़ाई व 0.6 मीटर गहराई के 1000 कंटूर। इससे तलहटी में 4 अमृत सरोवर व जलाशय जिंदा हुए।

बोरखेड़ा- 3 हेक्टेयर में बनाए 1250 कंटूर

लिक्खी गांव की बरखेड़ा पहाड़ी पर 3 हेक्टेयर में 1250 कन्टूर बनाए गए। इसमें वर्षा जल संग्रहित हुआ। यहां से रिसकर पहाड़ी की तलहटी में बने अमृत सरोवर वाटरशेड तक पानी पहुंचा है।

सतावड की पहाड़ी पर उन स्थानों पर अमृत सरोवर बनाएं गए जहां से पहाड़ी का पूरा पानी बहकर निकल जाता था। साथ ही पहाड़ी पर जहाँ-जहाँ पानी ठहरता था और बहकर अन्य स्थान पर पहुँचता था। वहां योजनाबद्ध रूप से कन्टूर बनाये गए। एक कन्टूर भर जाने के बाद दूसरा और ऐसे एक श्रृंखला में कन्टूर के बाद छोटा सा डेम के रूप में पानी रोका गया। जो इन दिनों हुई बारिश में पूरा पानी जमीन के भीतर जा आया। इसी तरह बरखेड़ा की पहाड़ी पर योजनाद्ध कंटूर बनाएं गए। जो पूरी तरह सफल होकर पानी चुसने का कार्य रक रहें।

यह मिलेगा फायदा

सतावड, कमोदवाड़ा, चन्दावड, डेहरी, साईंखेड़ा गांव के 40 किसानों की 125 एकड़ भूमि सिंचित होगी। पहाड़ी के आसपास 20 कुएं और 12 ट्यूबवेल है। 2 तालाबों में मछली पालन के लिए 50 हजार बीज डाले। 4 अमृत सरोवरों में 76 हजार 300 घन मीटर जल संग्रहण से आसपास के जल स्त्रोतों का जलस्तर बढ़ा। अमृत सरोवर से रिसकर पानी डेहरी तालाब तक पहुंच गया।

विशेष पहाड़ी चुनकर किए प्रयास

ज्योति शर्मा सीईओ जिला पंचायत खरगोन ने बताया कि, जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में दो परियोजनाएं संचालित है। एक योजना में एक विशेष पहाड़ी का चयनकर इसमें कन्टूर व अमृत सरोवर के माध्यम से जल सहेजने का प्रयास किया गया। कंटूर,अमृत सरोवर के अलावा गेबियन तालाब और चेकडैम से पानी रोककर जलस्तर बढ़ाने के प्रयास किए गए।

2 लाख रुपए की अवैध मदिरा जप्त, 6 को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी बसंत भीटे के नेतृत्व में वृत कसरावद एवं सनावद के संयुक्त दल द्वारा अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध कार्रवाई की है। अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरुद्ध कसरावद के ग्राम हीरापुर, सादड़बन, पीपलगोन, आमलाता तथा बाड़ी में दबिश देकर कर वृत प्रभारी ओमप्रकाश मालवीय द्वारा मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क,च के तहत 8 प्रकरण दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई में अलग-अलग स्थानों से 90 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 40 पाव विदेशी मदिरा तथा 2000 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर महुआ लहान के सेम्पल लेकर शेष लहान नष्ट किया गया। जप्त मदिरा, लहान व सामग्री का बाज़ार मूल्य लगभग दो लाख दस हजार रुपए है। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी पवन टिकेकर, आबकारी उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह भदौरिया तथा वृत के मुख्य आरक्षक धनसिंह कुमरे, आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे, संतोष वर्मा, प्रजोत चौधरी तथा रीता सिंगोरिया का सराहनीय योगदान रहा।

गायों में पहली बार भ्रूण प्रत्यारोपण का कार्य प्रारम्भ

माही की गूंज, खरगोन।

आमजन को गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने गत दिवस पैक्ट ड्रिकिंग वॉटर निर्माण करने वाली ईकाईयों का आकस्मिक निरीक्षण कर पेय पदार्थ के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्रित किए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल आवास्या ने बताया कि, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा गत दिवस कातियानी एक्वा औद्योगिक क्षैत्र बड़वाह से एक्टिव प्लस पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर, सांईनाथ कोल्ड्रींग्स मण्डलेश्वर रोड कसरावद से पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर, कानव मार्केटिंग भाड़ली खरगोन से पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर एवं हरि इच्छा बेवरेजेस टेमला रोड़ खरगोन से पेय पदार्थ एक्वा ब्लू ड्रिकिंग वॉटर के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच में यह नमूने अमानक पाये जाने पर इन प्रतिष्ठानों के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यवाही जिले में निरंतर जारी रहेगी। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री आरआर सोलंकी एवं नरसिंह सोलंकी भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने पैक्ड ड्रिकिंग वॉटर निर्माण ईकाईयों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

आमजन को गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने गत दिवस पैक्ट ड्रिकिंग वॉटर निर्माण करने वाली ईकाईयों का आकस्मिक निरीक्षण कर पेय पदार्थ के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्रित किए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल आवास्या ने बताया कि, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा गत दिवस कातियानी एक्वा औद्योगिक क्षैत्र बड़वाह से एक्टिव प्लस पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर, सांईनाथ कोल्ड्रींग्स मण्डलेश्वर रोड कसरावद से पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर, कानव मार्केटिंग भाड़ली खरगोन से पैकेज्ड ड्रिकिंग वॉटर एवं हरि इच्छा बेवरेजेस टेमला रोड़ खरगोन से पेय पदार्थ एक्वा ब्लू ड्रिकिंग वॉटर के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच में यह नमूने अमानक पाये जाने पर इन प्रतिष्ठानों के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। यह कार्रवाई जिले में निरंतर जारी रहेगी। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरआर सोलंकी एवं नरसिंह सोलंकी भी उपस्थित थे।

सिकल सेल एनीमिया एवं नशा मुक्ति अभियान जागरूकता कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वानी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का 54वां स्थापना दिवस के अवसर पर 27 सितम्बर को सिकल सेल एनीमिया तथा नशा मुक्ति अभियान जागरूकता कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. वंदना भारती एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल के मार्गदर्शन में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मनीष मालवीया मनोरोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बड़वानी ने अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि सिकल सेल रोग जन्मतजात रक्त विकार है रक्त में जीन्स के अनेक सेट होते हैं जो आप अपने जन्म देने वाले माता-पिता से प्राप्त करते हैं। प्रत्येक सेट आपके शरीर में एक खास भूमिका निभाता है, जैसे आपकी आंखों के रंग का निर्धारण या आपकी त्वचा के रंग को तय करना। जीन्स के एक अन्य सेट द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि लाल रक्त कोशिकाएँ कैसे बनी हैं और वे किस प्रकार से काम करती है, और यह एक ऐसी विशेषता है जिसे आप अपनी आंखों से नहीं देख सकते हैं। इन जीन्स को हीमोग्लोबिन जीन्स कहा जाता है, जिनका नाम लाल रक्त कोशिकाओं में शामिल प्रोटीन के नाम पर रखागया है जो आपके शरीर में ऑक्सीज़न के परिवहन का काम करता है। आप अपने पिता और माता, दोनों से एक-एक हीमोग्लोबिन (एचबी) जीन प्राप्त करते हैं। सिकल सेल रोग के गुणों वाले व्यक्तियों में एक सामान्य हीमोग्लोबिन जीन (एचबीए) होता है और दूसरा सिकल हीमोग्लोबिन जीन (एचबीएस)होता है। एचबीएस के कारण लाल रक्त कोशिकाएं दरांती (सिकल) के आकार में बदल जाती हैं। सिकल सेल गुण होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को ÷ट्रैस÷ सिकल सेल रोग है। वास्तव में, इसके विपरीत होता है। सिकल सेल गुण, रोग से पूरी तरह से अलग होता है; संभावित रूप से इसके कारण लक्षण हो सकते हैं, लेकिन इसके उदाहरण बहुत ही कम हैं। सिकल सेल रोग को अंतरित करने का जोखिम इस बात पर निर्भर करता है कि क्या माता-पिता में से दोनों में उसके गुण हैं या उन्हे यह रोग है। ऐसे माता-पिता से पैदा होने वाले प्रत्येक बच्चे को संभावित रूप से सिकल सेल रोग हो सकता है। आपका रोग आपके जीन्स के प्रकार पर निर्भर करता है । सिकल सेल रोग वास्तव में विभिन्न प्रकार के रक्त विकारों के समूह को कहा जाता है जो ÷सिकल÷ हीमोग्लोबिन (एचबीएस) से होता है। एबीएस, सिकल रोग के सभी रोगियों में सामान्य रूप से पाया जाता है। डॉ. मनीष मालवीया द्वारा बताया गया कि नशे के द्वारा होने वाले शारीरिक और मानसिक हानि के बारे जानकारी देकर इससे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभार के बारे में जानकारी दी। यह एक कटु सत्य है कि नशीले पदार्थों के सेवन से पीड़ित व्यक्ति को पारिवारिक एवं सामाजिक अलगाव और लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट एवं आघात पहुंचता है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता भायल ने किया एवं आभार प्रो. सीमा नाईक ने माना। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा डॉ. जगदीश मुजाल्दे डॉ. रविन्द्र बरड़े डॉ. विक्रम सिंह चौहान, डॉ. दिनेश सोलंकी, डॉ. प्रियंका देवड़ा, प्रो. सीमा नाईक, डॉ. विक्रम सिंह भिड़े, डॉ. इन्दु डावर, डॉ. तंजीम कायनात शेख, प्रो. शोभाराम वास्केल प्रो. अंकिता पागनिस, संदीप दासौंधी एवं लगभग 200 छात्राएँ उपस्थित रही।

देश भक्ति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय ग्राम करी बड़वानी में राष्ट्रीय सेवा योजना की 54वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शिक्षा परिसर से समुदाय थीम के अंतर्गत, विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. बलराम बघेल के निर्देशन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मिता यादव और डॉ दिनेश पाटीदार द्वारा देश भक्ति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता करवाई गई। इसमें विद्यार्थियों ने आजादी की 75वीं वर्ष गांठ पर रंगोली बनाई, जिसमे प्रथम स्थान पर रानी किशोर वर्मा एवं द्वितीय स्थान पर राखी अवास्या रही। इस कार्यक्रम में प्रो. आयुषी बामनका द्वारा निर्णय दिया गया। आयोजन में डॉ. डीएस चौहान, पंकज निगवाल, चेतन पटेल, गौरव सोनी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

पशु बांझपन शिविर एवं जागरूकता संगोष्ठी का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

पशुधन जागृति अभियान अंतर्गत पशु बांझपन शिविर एवं जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन 27 सितंबर को पशुधन जागृति अभियान अंतर्गत बुधवार को ग्राम रेहगुन में पशु बांझपन शिविर एवं जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर राज्य सरकार व पशुपालन विभाग की किसानों तथा पशुपालकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी एवं उपस्थित किसानों को कैल्शियम सहित अन्य दवाईयो का वितरण किया।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में: रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, बरवेट, राणापुर
अलीराजपुर जिले में: चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा), सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

शिवकुंज है सामाजिक ताने-बाने से प्रशासन द्वारा रचित हरित पर्यटन स्थल

विश्व पर्यटन दिवस पर शिवकुंज योगा ग्रुप ने किया श्रमदान

माही की गूंज, बड़वानी।

शासन-प्रशासन और समाज यदि समन्वय के साथ किसी सामाजिक सरोकार के प्रति समर्पित होता है तो खाली पड़ी पथरीली भूमि हो या दुर्गम पहाड़ सभी स्थानों पर हम हरित क्रांति लाकर पत्थर में फूल खिला सकते हैं। इस बात का उदाहरण बड़वानी जिले में प्रशासन के द्वारा सामाजिक ताने-बाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए नवाचार हैं। जिससे आज दो वर्ष बाद यह सभी स्थान रेवा कुंज, सोन कुंज लोनसरा की शिव टेकड़ी, दही बेड़ा का पहाड़ और नव विकसित पर्यटन स्थल शिवकुंज वर्ष 2023 की थीम ''पर्यटन और हरित निवेश'' को साकार करता नजर आ रहा है। लगभग दो वर्ष पूर्व प्रशासन ने आमजन में पर्यावरणीय संचेतना जगाने के लिए शहर से लगी हुई पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के लिए सघन प्रयास किए, आज यह पहाड़ियां नई पीढ़ी को हरियाली का संदेश दे रही हैं।

बड़वानी के आशाग्राम स्थित शिवकुंज नव पर्यटन स्थल के रूप में प्रदेश भर में जाना पहचाना जाने लगा है

यहां ध्यान, अध्यात्म, योग एवं फिटनेस का अद्भुत संगम नजर आता है। शिवकुंज के स्वयंसेवकों के साथ-साथ शिवकुंज योगा ग्रुप के सदस्य प्रतिदिन आकर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में श्रमदान कर अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर शिवकुंज योगा ग्रुप के सदस्यों के द्वारा खरपतवार उखाड़ने का कार्य किया।

पूर्व कुलपति एवं जाने-माने इतिहासकार एवं आशाग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉ. शिवनारायण यादव ने कहा, बड़वानी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं यहा एक और जहां नर्मदा विहार जैसे पर्यटन को विकसित किया जा सकता है, वही इको टूरिज्म सर्किट का निर्माण कर जिले के सभी पर्यटन स्थलों को जोड़कर पर्यटन और हरित निवेश के प्रयास को साकार किया जा सकता है। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवकुंज के योग साधक उपस्थित थे।

जिले की महत्वपूर्ण सड़क मार्ग की हालत जर्जर, एक मात्र सड़क है जो जोड़ती है गुजरात राज्य से

सड़क मार्ग की हालत देखकर भी सत्ता पक्ष सहित विपक्ष भी मौन, जनता परेशान

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

आम्बुआ से भाबरा सेजावाडा गुजरात सीमा तक सड़क मार्ग के हालात बरसात में देखते ही बनते हैं। सड़क मार्ग से दोनों ओर से की साईट पट्टी इतनी खस्ता हो चुकी है कि आमने-सामने वाहन आने पर एक दुसरे वाहन साईट उतारने को लेकर डरते हैं। जिससे वाहन चालकों को दुर्घटना का भय बना रहता है। साथ ही सड़क मार्ग में जान लेवा गड्ढे हो चुकें हैं। साथ ही रपट व पुल पुलियाओं पर झाड़ियां इतनी हो चुकी है कि वाहन चालको को अंदाजा भी नही रहता की सड़क मार्ग पर पुलिया आ रही है। न ही सम्बन्धित विभाग ने संकेत बोंड लगा रखे हैं न ही रपट पुलियाओं की झाड़ियां काटने की फ्रिक है। सम्बन्धित विभाग कुंभ कर्ण की नींद में सोया हुआ है और बडे हादसे के इंतजार से है। साथ ही दिन भर हजारों वाहन आम्बुआ से भाबरा सेजावाडा गुजरात राज्य के दाहोद जाने के लिए दिन भर वाहन चालकों का आना-जाना लगा रहता है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारी के अलावा राजनेता भी इस सड़क मार्ग से गुजरते हैं परन्तु आज तक इस सड़क मार्ग की सुध भी नहीं ली, ना ही सम्बन्धित विभाग को पत्र के माध्यम से कहा। तब ही तो आज इस सड़क मार्ग के हालात देखते ही बनते हैं की वाहन चालक वाहन कैसे चलाते होंगे। जब की क्षेत्रीय सांसद गुमान सिंह डामोर ने सड़क मार्ग की झाड़ियों को काटने ओर सड़क मार्ग की साइट पट्टी में गिट्टी का भराव? करनें के निर्देश जिला योजना समिति की बैठक में कह चुके हैं परन्तु जिले का एक प्रमुख सड़क मार्ग की हालात की फिक किसी को नहीं है। पांच वर्ष पुर्व विधानसभा चुनाव के पहले 2018 में इस सड़क का निर्माण किया गया था। तब से लेकर आज तक सम्बन्धित विभाग ने इसकी सुध ली होती तो आज इस सड़क मार्ग के हालात खस्ता नहीं होते। विभागीय अधिकारियों को चाहिए कि साईट पट्टी पर मोरम की जगह गिट्टी का भराव करवाकर वाहन चालको को निजात दिलाना चाहिए।

आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिश से संपूर्ण क्षेत्र तर-बतर

बादलों की गरज तथा बिजली की कड़क से थर्रा उठा क्षेत्र

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों से कभी तेज तो कभी हल्की बूंदाबांदी का क्रम क्षेत्र में जारी है। विगत महीनों की सारी कसर कुछ दिनों की बारिश ने पूरी कर दी। नदी, नाले, तालाब सब लबालब हो गए। 26 सितंबर की दोपहर लगभग 4 बजे से पहले हल्की फिर बादलों की गड़गड़ाहट तथा बिजली की कड़क और आंधी तूफान के साथ शुरू हुई तेज वर्षा का क्रम लगभग 2 घंटे तक चला तथा समाचार लिखे जाने तक रुक-रुक कर वर्षा हो रही थी।

कभी वर्षा नहीं होने और सूखे की स्थिति क्षेत्र में बनती दिखने लगी थी। आषाढ़, सावन और आधा भादो माह सूखा सूखा ही रहा। क्षेत्र में सूखे पड़े नदी, तालाब मानों प्यासें पड़े थे कि भादो माह में जन्माष्टमी के पूर्व पुनः बारिश प्रारंभ हुई जो की हल्की तेज तो कभी हल्की होती रही। सतत वर्षा के कारण नदी, नाले, तालाब सब भर गए जो वर्षा विगत दो ढाई महीनो में जलापूर्ति नहीं कर सकी वहीं पूर्ति मात्र तीन-चार दिनों में पूरी कर दी। अब स्थिति यह है कि, जो लोग वर्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे अब वर्षा रुक जाने और बंद हो जाने की प्रार्थना कर रहे हैं। पहले सुखे के कारण फसले सूख रही थी अब पक कर खड़ी फसले अतिवृष्टि के कारण खराब होकर सड़ने लगी है। किसानों पर इस बार प्रकृति ने दो तरफा मार दी है। आंधी तूफान की बारिश से खेतों में फसलों को नुकसानी के साथ ही कई पेड़ धराशाई हो गए।

आम आदमी पार्टी ने किया जिला कार्यालय का शुभारंभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आम आदमी पार्टी अलीराजपुर के कार्यकर्ता द्वारा जिला कार्यालय का शुभारंभ किया गया। साथ ही जिला ईकाई द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई और दोनो विधानसभा चुनाव लडेगी। परिवर्तन यात्रा को लेकर विचार किया गया है जो दोनो विधानसभा क्षेत्र में निकली जायेगी। जिसमे परिवर्तन यात्रा और केजरीवाल गारंटी कार्ड घर-घर जाकर बांटे जाएंगे। कार्यक्रम में एसटी विग अध्यक्ष हीरालाल पटेल, युवा विग अध्यक्ष सावन सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष दिलीप डावर, संयुक्त सचिव नवल सिंह रावत, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश डावर, संयुक्त सचिव सुमसिंह रावत, शोभना ओंकार आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देव झुलनी ग्यारस पर सजा खाटू श्याम दरबार आकर्षण एवं श्रद्धा का रहा केंद्र

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे में देव झुलनी या डोल ग्यारस धूमधाम से मनाई गई। जिसमें खाटू श्याम के मनमोहन दरबार ने सभी को नतमस्तक तथा आकर्षण से ओतप्रोत कर दिया। श्रद्धालुओं ने जोत जलाई तथा पूजा आरती की।

यों तो प्रत्येक माह की ग्यारस को कई घरों में खाटू श्याम की जोत जलाई जा रही है। मगर सार्वजनिक रूप से डोल ग्यारस या देव झुलनी ग्यारस को शिव मंदिर प्रांगण में विराजित रिद्धि-सिद्धि के दाता विघ्नहर्ता श्री गणेश पंडाल में खाटू श्याम भक्त नरेंद्र गोपाल राठौड़ की ओर से दरबार सजाया गया। दरबार की साज सजा विशाल माहेश्वरी एवं गोपी लोगंड (माहेश्वरी) द्वारा बहुत ही कम समय में की गई। खाटू श्याम का आकर्षण इतना अधिक प्यार था कि भक्त खिचते चले आए तथा दरबार में जल रही जोत एवं हवन पात्र में सभी ने पूर्ण श्रद्धा के साथ आहुतियां दी तथा दर्शन लाभ लेकर भक्त धन्य हो गए। दरबार सज्जा की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना भी की। बाल शिव भक्त मंडल के नन्हे भक्तों ने जोत दर्शन किए।

सोना-चांदी नहीं सिगरेट के साथ पिकअप ले उड़े चोर

माही की गूंज, मंदसौर।

जगह-जगह चोरी होना आम बात है, कहीं पैसों की तो कहीं गहनों की, कार, बाइक यहां तक की कुत्तों की चोरी होती है। पर मंदसौर में चोरी का ज़रा हटके किस्सा सामने आया है। जो है सिगरेट की चोरी।

जिले में देर रात सिगरेट और पान मसाले के गोडाउन में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। चोर लाखों की सिगरेट के साथ व्यापारी का पिकअप वाहन भी ले उड़े हैं। माल की कीमत 50 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। पुलस चोरों की तलाश के लिए डाग स्क्रायड व नाकाबंदी सहित कई प्रयास कर रही है।

यह है मामला

मामला मंदसौर के लक्कड़पीठा में सुंदर पैलेस के पास की अग्रवाल एजेंसीज के गोदाम का है। जिसमें खड़ी दो पिकअप में से एक पिकअप में माल भरकर ले जाया गया है। घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब दो बजे की बताई जा रही है। मौके की जांच करने से अंदाजा लगाया जा रहा है कि बदमाश चार पहिया वाहन से आए थे जो ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए थे। चोरों ने गोदाम में रखी सिगरेट के कई कार्टून उठा कर अपने चार पहिया वाहन और साथ ही गोदाम में खड़ी पिकअप में भर लिया। इसके बाद मौके से दोनों वाहन लेकर फरार हो गए। घटना में व्यापारी के करीब 50 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। आज सुबह 11 बजे करीब मंदसौर एसपी अनुराग सुजानिया, एएसपी गौतमसिंह व शहर थाना टीआई घटनास्थल पहुँचे और मोके का निरीक्षण किया। पुलिस अब डाग स्क्रायड व नाकाबंदी सहित तमाम प्रयास कर शातिर सिगरेट चोरो की तलाश में जुटी हुई है।

सहीदीया अजिजिया नूरुल उलूम कमेटी की ओर से स्कूल भवन की संगे बुनियाद रखी गई

माही की गूंज, आम्बुआ।

मुस्लिम पंच कमेटी की जोबट-आम्बुआ तिराहे के समीप स्थित जमीन पर माध्यमिक स्तर की तालीम दिलाने हेतु स्कूल भवन निर्माण हेतु संगे बुनियाद कौम के वरिष्ठ मेहमानों द्वारा रखे जाने के समाचार है। सहीदीया अजिजिया नूरुल उलूम कमेटी आम्बुआ के सदर जनाब अमानुल्लाह पठान ने बताया कि, मुस्लिम जमात के पिछड़े पन का एकमात्र कारण अशिक्षा है। जिसके लिए जमात की जमीन पर एक सर्व सुविधा युक्त स्कूल जरूरत होने के कारण यहां पर स्कूल भवन की संगे बुनियाद रखी गई। एक विशाल आयोजन में जोबट नगर के सैयद अमीर मियां, अलीराजपुर शहर काजी जनाब अफजल मियां, रमीज बाबा, मोईन बाबा की सरपरस्ती में तथा कट्ठीवाड़ा, उदयगढ़, आजाद नगर, बरझर, नानपुर आदि स्थानों से जमात के सैकड़ो की तादाद में तशरीफ लाए मेहमानों तथा दीगर कौम से पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, जोबट से सुरपाल अजनार, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, डॉ राजेंद्र सिंह राठौर, हासिम अली बोहरा, मोहम्मद भाई, हुसैन बोहरा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पूर्व मेहमानों का इस्तकबाल मुस्लिम पंच कमेटी आम्बुआ के सदर चांद मोहम्मद मकरानी, मजीद ख़ां, शकील कुरेशी, असलम मकरानी, शाहिद कुरेशी, सारिक खान, सिराज खान पठान नानपुर, रफीक बादशाह जोबट आदि ने फूल मालाओं से किया। कार्यक्रम कार्यक्रम का संचालन सानी मकरानी तथा तशरीफ़ लाए मेहमानों का आभार प्रदर्शन मौलाना गुलाम नबी ने किया।

मंदिर निर्माण के लिए शरीफ मेव ने स्वेच्छा से दान की लाखों की जमीन

लोग दर्शन करने आएंगे, मुझे खुशी होगी- शरीफ मेव

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के मल्हारगढ़ निवासी शरीफ मेव ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित अपनी जमीन का कुछ हिस्सा कल्ला बाऊजी का मंदिर बनाने के लिए दी। देश में जिस तरह के हालात बन रहे हैं उन हालातों के बीच नफरत की फिजाओं में कहीं न कहीं मोहब्बत घोलने का काम शरीफ मेव ने किया है और यह सिर्फ मंदसौर जिले में ही नहीं पूरे देश में सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है।

शरीफ मेव ने मुस्लिम समाज से होते हुए मंदिर बनाने के लिए श्री श्री 1008 काली कल्याण धाम समिति को अपनी बेशकीमती जमीन दान कर दी। जमीन की कीमत 35 लाख रुपए बताई जा रही है जिस पर अब कल्ला बाऊजी का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। काली कल्याण समिति के सदस्य शरीफ मेव का आभार व्यक्त कर रहे हैं।

रक्षाबंधन के दिन किया ध्वज स्थापित

शरीफ मेव ने बताया कि, रक्षाबंधन के दिन कुछ हिन्दू समाज के लोग उनकी जमीन पर आकर ध्वज रोपण कर रहे थे जैसे ही उन्हें इस बारे में पता चला वह अपनी जमीन पर पहुंचे। जहां ध्वज स्थापित किया था उसके पीछे सांप का घर है। पिछले 4-5 सालों से वह लोगों को यहां अगरबत्ती लगाते देख रहे हैं। वह जमीन पर पहुंचकर वहां मौजूद समाज के लोगों से बात कर ही रहे थे कि उसी वक्त एक व्यक्ति के बदन में कल्ला बाऊजी प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि यह जमीन मेरी है और यहां मेरा मंदिर बनेगा। उसी दौरान शरीफ मेव ने लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए स्वेच्छा से जमीन देने का निर्णय लिया। साथ ही शरीफ ने कहा कि उनकी जमीन पर मंदिर बनेगा और लोग यहां दर्शन के लिए आएंगे इसके लिए मुझे खुशी होगी, यही हमारा मज़हब सिखाता है।

हिंदू समाज ने व्यक्त किया आभार

काली कल्याण समिति के सदस्य शरीफ मेव का आभार व्यक्त कर रहे हैं। ऋषभ कुनेचा कहा कि, शरीफ ने उन्हें रेलवे स्टेशन रोड स्थित जो जमीन दान की है वह हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल है। यह लाखों की जमीन उन्होंने मंदिर के लिए दान की है उसके लिए श्री श्री 1008 काली कल्याण धाम, नगर और समस्त हिंदू समाज की ओर से हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। आगे उन्होंने बताया, फिलहाल कल्ला बाऊजी का मंदिर एक निजी निवास पर मौजूद है। बैठक के दौरान कल्ला बाऊजी का हुक्म हुआ कि स्टेशन रोड पर मैंने जो बरसों पुरानी जमीन देख रखी है वहां झंडा स्थापित करना है। उनकी आज्ञा का पालन किया और रक्षाबंधन के दिन हमने यहां ध्वज स्थापित किया। मंदिर की रूपरेखा तैयार कर ली गई है और जल्द ही यहां मंदिर बनाया जाएगा।

भाजपा की दूसरी सूची जारी होने के बाद कांग्रेस में बढ़ी हलचल

टिकिट को लेकर अभी तक अंतिम निर्णय पर नही पहुंची कांग्रेस, मालू अकमाल और वालसिंग मेड़ा का टिकिट फाइनल होने का दावा

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव 2023 की बढ़ती सरगर्मी के बीच भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस को चोकाते हुए अपनी दूसरी सुची जारी कर दी। जिंसमे जिले की बची एक मात्र सीट थांदला से भी भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर जिला अपनी और से पैक कर दिया। दूसरी और कांग्रेस में अभी भी टिकिट को लेकर मंथन का दौर जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 2023 के लिए जल्दी प्रत्याशियों की घोषणा करने की बात कहते रहे हैं लेकिन उसके उलट भाजपा की दो सूची जारी होने के बाद भी कांग्रेस अपने उन मुख्य सिपेसलाहकारो के नामो पर भी अब तक मुहर नही लगा पा रही है। चुनाव के पास आते-आते चुनावी माहौल भी बढ़ने लगा है और जन आक्रोश यात्रा में टिकिट के लिए दावेदार अपनी और से दम खम से प्रयास करते नजर आए हैं। फिलहाल कांग्रेस की सोच एक जुट कांग्रेस के साथ पूरे मध्यप्रदेश में जन आक्रोश यात्रा को सफल बनाकर प्रत्याशियों की सूची जारी करने की नजर आ रही है।

वालसिंग मेड़ा और मालू अकमाल में दिखी टिकिट की होड़

शनिवार को कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा के पेटलावद विधानसभा में आने के समय वर्तमान विधायक वालसिंग मेड़ा और जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल के बीच टिकिट की होड़ देखने को मिली। दोनों और से यात्रा की तैयारी अलग-अलग स्थान से कर अपने-अपने समर्थकों को जमा किया। पूरे नगर में लगे बैनर, पोस्टर तक मे टिकिट के दावे देखे गए। यात्रा के दौरान दोनों मुख्य दावेदारो सहित अन्य दावेदारो से हुई चर्चा में वर्तमान विधायक का खुलकर विरोध तक देंखने को मिला। दूसरी और विधायक भी पूरी ताकत से अपने समर्थकों के साथ टिकिट की प्रबल दावेदारी करते रहे।

अलग-अलग मंच पर स्वागत, ग्रामीण क्षेत्र की तैयारियों पर फिरा पानी

थांदला रोड़ से प्रवेश के बाद नए बस स्टेशन पर मालू अकमाल ने मंच लगाकर यात्रा का स्वागत कर कांग्रेस नेताओं का स्वागत किया। तो पुराना नाका पर बने सभा स्थल पर विधायक मेड़ा ने स्वागत किया। दोनों मुख्य दावेदार एक-दूसरे के मंच पर नजर नही आएं। स्वागत के बाद मालू अकमाल ने यात्रा के ग्रामीण रूट पर जगह-जगह स्वागत की तैयारी की थी लेकिन अंतिम समय मे यात्रा पेटलावद में समाप्त कर खाली रथ को रवाना कर दिया गया। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेसी नेता जिले के नेताओं से बिफर कर निराश हो कर घर लौट गए।

वालसिंग और मालू दोनों कर रहे टिकिट फाइनल होने के दावे, जयस बनी मुसीबत

वर्तमान विधायक और जिला पंचायत उपाध्यक्ष में कांग्रेस से टिकिट की कड़ी टक्कर देंखने को मिल रही है और दोनों ही नेता अपने समर्थकों को टिकिट तय होने का दावा कर रहे हैं। भाजपा की सूची जारी होने के बाद टिकिट के सभी दावेदारो में हलचल तेज हो गई है और एक-दो दिनों में कांग्रेस की पहली सूची जारी होने की संभावना है। पेटलावद विधानसभा को लेकर कांग्रेस एक राय पर पहुचती नही दिख रही। दूसरी और जयस संगठन कांग्रेस के लिए बड़ी मुसीबत बनता जा रहा है जो किसी भी स्थिति में फिलहाल कांग्रेस के पाले में नही बैठ रही हैं। आम आदमी पार्टी जैसे दल भी लगातार सक्रिय होकर अपना प्रत्याशी घोषित कर प्रचार-प्रसार में जोर-शोर से लगे हुए है। वोट के ध्रुवीकरण से पेटलावद विधानसभा में कांग्रेस को बड़ा नुकसान होता दिख रहा है। जिससे पार पाने के लिए प्रत्याशी की घोषणा सारे सर्वे को देखकर करना कांग्रेस की मजबूरी बन चुकी हैं।

छापों के बीच भाजपा के अकाउंटेंट से ईडी ने की पूछताछ

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछ्ले कुछ दिनों में रेत माफियाओं पर ईडी ने छापेमारी की है। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने थ्यागराय नगर में स्थित दो घरों में छापेमारी की, जिसका मालिक एक रियल्टर बताया जाता है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने इस दौरान भाजपा दफ्तर में काम करने वाले एक अकाउंटेंट से भी पूछताछ की है। वह अकाउंटेंट रियल्टर के घर में किराये पर रहता है। एजेंसी ने घर पर सर्च की और रियल्टर से भी पूछताछ की है। खबरों के मुताबिक खनन माफियाओं ने बड़ी रकम रियल्टर को ट्रांसफर की थी और इसी की वजह से ईडी ने सर्च किया।

भाजपा सूत्रों ने इस खबर को लेकर कहा कि, यह छापा अकाउंटेंट पर नहीं है बल्कि उस परिसर में हुआ, जिसका मालिकाना हक रियल्टर के पास है। उससे पूछताछ भी इसीलिए हुई है क्योंकि वह रियल्टर के घर पर किराये पर रहता है। आमतौर पर छापेमारी के बाद ईडी की ओर से बयान जारी किया जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम खन्न माफिया से जुड़े कुछ दस्तावेजों की तलाश में जुटी थी। हालांकि अब तक एजेंसी ने यह नहीं बताया कि सर्च के दौरान उसे क्या मिला है।

इससे पहले 12 सितंबर को ईडी ने 34 ठिकानों पर छापेमारी की थी। तमिलनाडु के 6 जिलों में चलाए गए ऑपरेशन के दौरान ईडी ने खनन से जुड़े ठेकेदारों के. रतिनम, एस. रामचंद्रन और कारिकलन के ठिकानों पर सर्च की थी। एजेंसी की ओर से जल संसाधन विभाग के मुख्यालय पर भी सर्च की गई थी। इसके बाद ईडी ने बताया था कि उसने फर्जी विक्रय रसीद बरामद हुई हैं और फेक क्यूआर कोड भी मिले हैं। इसके अलावा बेनामी कंपनियों के माध्यम से लेनदेन की भी जानकारी मिली है।

पहाड़ी इलाकों में अफस्पा की अवधि छह माह के लिए बढ़ी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा के बीच बुधवार को अफस्पा का दायरा बढ़ा दिया गया। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों को फिर से अफस्पा के तहत रखा गया है। इसमें मुख्य रूप से घाटी के 19 पुलिस स्टेशनों को शामिल नहीं किया गया है। यानी कि 19 पुलिस स्टेशनों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

बुधवार को सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया, मणिपुर के 19 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर पूरे क्षेत्र को छह महीने के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया जाता है। बताया गया कि अफस्पा कानून एक अक्टूबर, 2023 से प्रभावी होगा।

इम्फाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लैमसांग, पास्टोल, वांगोई, पोरोम्पैट, हेंगांग, लामलाई, इरिबुंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नंबोल, मोइरंग, काकचिन और जिरबाम पुलिस स्टेशनों को अफस्पा से बाहर रखा गया है।

फिर से इंटरनेट बैन

मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक कई लोगों की जानें गई हैं। वहीं, कई लोग घायल हुए हैं। बीते दिन ही मणिपुर में तनाव की स्थिति को देखते हुए फिर से इंटरनेट बैन कर दिया गया। मणिपुर में हाल ही में हुए दो छात्रों की हत्या के बाद तनाव की स्थिति बढ़ गई है, जिससे ऐसे कदम उठाने पड़े। मणिपुर सरकार ने राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तत्काल प्रभाव से एक अक्टूबर, 2023 की शाम 7:45 बजे तक निलंबित करने का निर्णय लिया है।

एकसाथ मंच पर नजर आए कुमारस्वामी और येदियुरप्पा

बेंगलुरु, एएनआई। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) नेता एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को बेंगलुरु में कावेरी जल मुद्दे को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कुमारस्वामी और भाजपा के कद्दावर नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा एकसाथ नजर आए।

बता दें कि, भाजपा ने कावेरी जल मुद्दे को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कुमारस्वामी भी शामिल हुए। दरअसल, जेडीएस के राजग में शामिल होने के बाद यह पहला मौका था जब कुमारस्वामी ने येदियुरप्पा के साथ गिले-शिकवे मिटाकर मंच साझा किया।

राजग का बढ़ा कुनबा

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जेडीएस ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। हाल ही में कुमारस्वामी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के साथ ही जेडीएस की राजग में औपचारिक एंट्री हो गई थी। ऐसे में भाजपा और जेडीएस मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, सीट शेयरिंग के विषय पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि, किसानों के हितों की रक्षा करने में सिद्दरमैया सरकार विफल रही। वे अब किसानों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, इसलिए जेडीएस और भाजपा विरोध कर रही हैं। वहीं, जेडीएस के एनडीए में शामिल होने पर भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा ने कहा कि संयुक्त लड़ाई समय की जरूरत है।

राहुल गांधी ने शेयर किया कुलियों से बातचीत का वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को ÷रिकॉर्ड बेरोजगारी÷ और ÷कमरतोड़ महंगाई÷ के मुद्दों को उठाया और आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो साझा किया। राहुल गांधी से मिलने के दौरान कूलियों ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। राहुल गांधी ने 21 सितंबर को आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों से बातचीत की थी और उनकी समस्याएं सुनी थीं।

राहुल गांधी ने की थी कुलियों से मुलाकात

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने बुधवार को कुलियों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो साझा किया और भारत के मेहनती कुली भाइयों से दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर मिला। डिग्री इंजीनियर की, काम कुली का, ऐसी बेरोज़गारी से त्रस्त हैं। रेलवे से न पगार, न पेंशन, न स्वास्थ्य बीमा और न सरकारी सुविधा! मगर इन्हें उम्मीद है, समय बदलेगा, और मुझे पूरा विश्वास!

लाखों शिक्षित युवा कर रहे कुली का काम

गांधी ने कहा, कुली भारत के सबसे मेहनती लोगों में से हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी, वे अपना जीवन लाखों यात्रियों की यात्रा में मदद करने में बिताते हैं। कई लोगों की बांह पर लगा वह बैज सिर्फ एक पहचान नहीं है, बल्कि उन्हें मिली एक विरासत भी है। उनके लिए जिम्मेदारी का हिस्सा तो है, लेकिन खुद के लिए बहुत कम प्रगति है। रेलवे स्टेशनों पर कुली के रूप में काम करके अपनी आजीविका कमाने की कोशिश कर रहे हैं। कारण? रिकॉर्ड बेरोजगारी। देश का साक्षर नागरिक दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए संघर्ष कर रहा है। गांधी ने कहा कि, वे प्रतिदिन 400 से 500 रुपए कमाते हैं, जिससे घर का खर्च भी नहीं चलता और बचत का तो सवाल ही नहीं उठता है।

गूंज खबर के बाद जागा प्रशासन, अतिथि भर्ती में फर्जीवाड़े की जांच के हुए आदेश

केवल दो संस्था क्यों पूरे विकास खण्ड में जांच की आवश्यकता...

माही की गूंज, पेटलावद।

14 और 21 सितंबर के अंक प्रमुखता से प्रकाशित अतिथी भर्ती में फर्जीवाड़े की खबर का बड़ा असर हुआ है। अतिथि भर्ती को लेकर हुई शिकायत और खबर लगने के बाद जिला कलेक्टर ने टीएल बैठक में जांच के निर्देश जारी किए जिसके बाद जनजाति कार्य विभाग झाबुआ की और से 27 सितंबर को उत्कृष्ट स्कूल और मॉडल स्कूल पेटलावद में हुई अतिथि भर्ती में हुई अनियमिता की जांच के आदेश दिए और दोनो संस्था के प्राचार्य को लिपिक ओर दस्तावेजो सहित जिला कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं । हालांकि सिस्टम का पूरा बॉस पोला है जिम्मेदार कागजी कार्यवाही की खानापूर्ति के आधार पर बचा लिए जाते हैं।

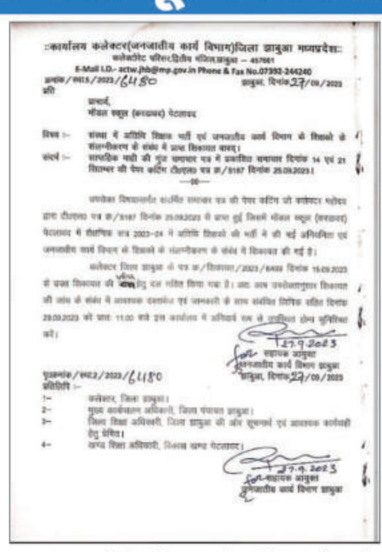
::कार्यालय कलेक्टर(जनजातीय कार्य विभाग)जिला झाबुआ मध्यप्रदेश::
कलेक्टोरेट परिसर द्वितीय मंजिल,झाबुआ – 457661
E-Mail I.D.- actw.jhb@mp.gov.in Phone & Fax No.07392-244240
क्रमांक/स्था.5/2023/6480 झाबुआ, दिनांक 27/09/2023
प्रति
प्राचार्य,
मॉडल स्कूल (करवड़) पेटलावद
विषय :- संस्था में अतिथि शिक्षक भर्ती एवं जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों के संलग्नीकरण के संबंध में प्राप्त शिकायत बाबद्।
संदर्भ :- साप्ताहिक माही की गूंज समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार दिनांक 14 एवं 21 सितम्बर की पेपर कटिंग टीएल पत्र क्र./5187 दिनांक 25.09.2023।
[illegible]
for सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ
पृ.क्रमांक/स्था.2/2023/6480
प्रतिलिपि :-
1- कलेक्टर, जिला झाबुआ।
2- मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ।
3- जिला शिक्षा अधिकारी, जिला झाबुआ [illegible]
4- खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड पेटलावद।
for सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ

::कार्यालय कलेक्टर(जनजातीय कार्य विभाग)जिला झाबुआ मध्यप्रदेश::
कलेक्टोरेट परिसर द्वितीय मंजिल,झाबुआ – 457661
E-Mail I.D.- actw.jhb@mp.gov.in Phone & Fax No.07392-244240
क्रमांक/स्था.5/2023/[illegible] झाबुआ, दिनांक 27/09/2023
प्रति
प्राचार्य,
उत्कृष्ट उ.मा.वि. पेटलावद
विषय :- संस्था में अतिथि शिक्षक भर्ती के संबंध में प्राप्त शिकायत बाबद्।
संदर्भ :- साप्ताहिक माही की गूंज समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार दिनांक 14 एवं 21 सितम्बर की पेपर कटिंग टीएल पत्र क्र./5187 दिनांक 25.09.2023।
[illegible]
for सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ
पृ.क्रमांक/स्था.2/2023/[illegible]
प्रतिलिपि :-
1- कलेक्टर, जिला झाबुआ।
2- मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ।
3- खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड पेटलावद।
for सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ

जांच का दायरा सीमित क्यो...?

अतिथि भर्ती का फर्जीवाड़ा केवल एक या दो संस्थाओं तक सीमित नही है । विकास खण्ड की अधिकांश संस्थाओं द्वारा शासन के ऑन लाइन पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार अतिथि शिक्षक संस्था में बुलाये जाने के अपने अनुसार बिना विज्ञप्ति और किसी सूचना के मन माने ढंग से अपने चहेतों को नोकरी पर रख लिए इतना ही संस्था के प्रचार्यो ने अलग अलग संस्थाओं के शिक्षको नियम विरुद्ध अटैचमेन्ट कर कई स्कूलों में कृतिम आवश्यकता शिक्षको में बनाई और वहां अतिथि भर्ती की गई । शिकायत ओर गूंज में खबर प्रकाशित होंने के बाद जिला प्रशासन की आंखे खुली जरूर लेकिन जांच का दायरा शिकायत और खबर तक सीमित रखा गया जबकि पूरे विकास खण्ड की स्थिति एक जैसी है । इससे पूर्व करडावद ओर कोदली में भी अतिथि भर्ती को लेकर अलग-अलग नियम के साथ आवेदन लेने और नही लेने का मामला उजागर हुवा था। आथिति प्रथम स्थान पर आने के बाद भी मामूली पुलिस प्रकरण के नाम पर भर्ती से वंचित कर मनमाने ढंग से संकुल प्राचार्य के इशारे पर आथिति भर्ती की गई ।

फर्जी हाजरी तक के बड़े खुलासे ,विभाग को गुमराह करने वाली जानकारी

अतिथियो की भर्ती तक फर्जीवाड़ा सीमित नही है ,बड़े स्तर पर अतिथियो की फर्जी हाजरी भर कर वेतन निकाले जाने के मामले भी है । एक ही शिक्षक रेगुलर बीएड ओर अतिथि शिक्षक के रूप में काम करता रहा जो जांच का विषय है । संकुल प्राचार्य विभाग को दी जाने वाली जानकारीयो में गुमराह करने वाली जानकारी देकर अपने अनुसार शिक्षको का अटैचमेंट कर मनचाही जगह पर कार्य करने के आदेश अपने स्तर से ही जारी कर रहे हैं।

भक्त ले रही भक्ती रस का आनंद और भजन किर्तन से कर रहे भगवान की भक्ति

माही की गूंज पेटलावद।

श्रीमद भागवत के माध्यम से नगर में इन दिनों दो स्थानों पर एक साथ धर्म का अलख जगाया जा रहा है। प्रथम निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर पं. पंकज नरेंद्र नंदन दवे और बडे रामजी मंदिर पर पं. नरेश नारायण शुक्ला के द्वारा भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है। दोनो आचार्यो ने व्यास पीठ से भागवत के महत्व को बताते हुए श्रीमद भागवत के प्रसंगों के माध्यम से भक्तों को संदेश दिया कि सनातन धर्म के द्वारा आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। और धर्म पर चल कर हम अपना जीवन सफल बना सकते है।

प्रहलाद की कथा

धर्म के मार्ग पर चलने पर कई परेशानीयों का सामना करना पडता है। जिस प्रकार प्रहलाद ने कई प्रकार के कष्टों को सह कर धर्म का साथ नहीं छोडा तो भगवान को स्वयं को नृसिंह अवतार में आना पडा और भक्त के कष्ट दूर करना पडे।

भगवान का वामन अवतार

इस प्रकार अनाचार बढने पर भगवान सदैव सदकर्म करने वालों का साथ देते है। वामन अवतार में भगवान के द्वारा तीन पग पृथ्वी मांग कर राजा बलि के अहंकार का नाश किया है। भागवत का मूल उदेश्य सत्यम परम् धीमही है। ईश्वर ही सत्य है और इसके अलावा मुक्ति का कोई मार्ग नहीं है। बडा रामजी मंदिर के पुजारी पं. निलेश पुरषोत्तम सामेवेदी ने बताया कि वर्षो से मंदिर पर कथा का क्रम चल रहा है। जिसका लाभ लेने के लिए सैकडों भक्त मंदिर पर आते है।

पं. नरेंद्र नंदन दवे ने बताया कि भागवत भव से पार लगाने का इस कलयुग में एक मात्र साधन है। इसे एक बार नहीं बार बार सुनने पर भी हर बार कुछ न कुछ नया ही मिलेगा। निलकंठेश्वर मंदिर व रामजी मंदिर पर भक्तों का तांता लगा हुआ है। विशेष रूप से कथा का श्रवण करने के लिए महिलाओं की बडी संख्या आ रही है। जहां भजनों और किर्तनों के माध्यम से कथा का आनंद भक्तों द्वारा लिया जा रहा है। 29 सितंबर को दोनो ही स्थानों पर कथा की पूर्णाहुति होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422